शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

की प्रस्तुति

काव्यांजलि दैनिक सृजन

क्रमांक 4101 से 4200 तक

मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 01-03-2022 **4101** दिन- मंगलवार

गौरैया रानी

मेरे घर आती गौरैया रानी,
सुनाती मुझे रोज कहानी।
चीं-चीं-चीं-चीं करती हैं,
देखो! कैसे चहका करती हैं?

मेरे घर, अपना घर,
बनाती गौरैया रानी।
डुबकी भी लगाती हैं,
रोज नहाती गौरैया रानी।।

इन्जीनियर कैसी होती हैं?
किस स्कूल ये जाती हैं?
भोजन-पानी और घोंसला,
अपने बच्चों को देती हैं।।

गिल्लू गिलहरी भी आ जाती,
खा जाती दाना प्यारी का।
चंचल बन्दर भी है आ जाता,
दिल दहल जाता प्यारी का।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि० वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ, अलीगढ़

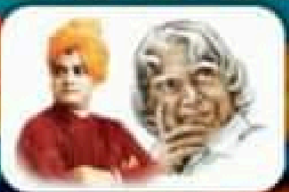

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 01/03/2022 **4102** दिन- मंगलवार

महाशिवरात्रि

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को,
यह त्योहार मनाया जाता है।
गौरी-शंकर के विवाह को,
शिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है।।

शिव की शक्ति से, शिव की भक्ति से,
जिन्दगी बीते खुशियों के संग।
लेकर नाम शिव भोले का,
दिल में भर लो शिवरात्रि की उमंग।।

शिवरात्रि के पावन अवसर पर,
सबके दिलों में सुरूर मिलता है।
जो भी जाता भोले के द्वार,
कुछ न कुछ जरूर मिलता है।।

रचना-:
दमयन्ती राणा (स० अ०)
रा० उ० प्रा० वि० ईड़ाबधाणी
कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 01.03.2022 **4103** दिन- मंगलवार

वीरांगनाएँ

भारतीय इतिहास भरा पड़ा है,
वीरों और वीरांगनाओं से।
गौरवमयी गाथाएँ जिनकी,
बँध न सकी सीमाओं से।।

रानी लक्ष्मीबाई, रानी चेन्नम्मा,
जैसी वीरांगनाएँ यहाँ पैदा हुईं।
जिनकी वीरता की गाथाएँ,
आज तक न भुलायी गयीं।।

यूँ ही नहीं मिली आजादी हमें,
कुर्बानियाँ हैं वीरांगनाओं की।
देख वीरता उनकी अंग्रेज भी,
थर-थर काँपने लगते थे सभी।।

शत-शत नमन वीरांगनाओं को,
उनकी गाथा हम मिलकर गाएँगे।
भावी पीढ़ी को पढ़ा-पढ़ाकर हम,
इतिहास को बार-बार दोहराएँगे।।

रचना
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 01/03/2022 **4104** दिन- मंगलवार

स्कूल चलो

चलो-चलो स्कूल चलो फिर,
सब बच्चों से हिलो-मिलो फिर।

बहुत हुई घर पर शैतानी,
भूल पढ़ाई की मनमानी।

अपने-अपने बस्ते खोलो,
कापी-किताबें सभी टटोलो।

अब करना न कोई बहाना,
हँसते-खिलते विद्यालय जाना।

होगी अब तो खूब पढ़ाई,
सारे गाँव में होगी बड़ाई।

रचना -
राजवीर सिंह तरंग (प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8) सिलहरी,
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 01.03.2022 **4105** दिन- मंगलवार

महाशिवरात्रि

फाल्गुन कृष्ण पक्ष की चौदस,
तिथि शिव को अति प्यारी है।
इस दिन ब्याह उमा का शिव संग,
हुआ सुनो नर-नारी है।।

पूरा देश मनाता इस दिन,
शिव-विवाह का उत्सव है।
जगह-जगह शिव की बारात,
लख होता पंक्षी का कलरव है।।

हर्षोल्लास भरे जन-जन में,
छटा अनोखी दिखलाती।
उड़ती रंग-बिरंग गुलाब यों,
मानो नभ छूने जाती।।

नर-नारी सब प्रेम-भाव से,
रखते व्रत, गायन करते।
शिव महिमा, उपदेश शिवहिं के,
कह आपस में मोद भरते।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि.मि.)
प्रा०वि०बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

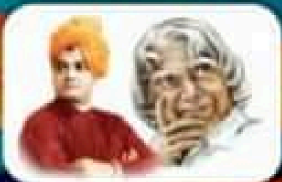

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 01/03/2022 **4106** दिन- मंगलवार

जीवनरुपी लहरें

लहरें उठें जो भवसागर की,
इनसे न घबराना।
जीवन-रूपी सुनामियों से,
लड़ना, न डर जाना ।।

जिन्दगी है एक समन्दर,
कठिनाई का डेरा।
रखना कायम सदा हौसला,
ढल जायेगा अँधेरा।।

जीवन के इस लम्बे सफर में,
हमको चलते जाना।
चाहे मिले फूल या काँटे,
मन्जिल को है पाना।

आस का दामन कभी न छोड़ो,
कितनी हो रात अँधेरी।
गम के बादल छँट जायेंगे,
खुशियाँ देंगी फेरी।।

रचना:-

मंजू देवी (प्र०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय मुर्धवा
म्योरपुर, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/03/2022 4107 दिन- बुधवार

प्रकृति की सीख

सागर लहर-लहर लहराये,
अपनी मस्ती का राग सुनाये।
नदियाँ कलकल बहती जाये,
अपनी धुन में नाचे गाये।।

धरती माँ का देखो कमाल,
धैर्य रखे सदा बेमिसाल।
गगन का हृदय कितना विशाल,
ढक कर रखे दुनिया हर हाल।।

सुबह- सवेरे सूरज उगता,
ड्यूटी अपनी करता चुकता।
चन्दा मामा खुद जग कर,
पहरेदारी जग की करता।।

प्रकृति से तुम भी सीखो,
नहीं कभी किसी पर चीखो।
परोपकार की राह पर चल कर,
मस्ती से जीना तुम सीखो।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना-
प्रेमचन्द (प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० सिसौला खुर्द
जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02.03.2022 **4108** दिन- बुधवार

आओ समझें इमली, ईख....

खट्टी इमली, मीठी लीची,
फीकी ककड़ी, तीखी मिर्ची।
मामी लाती पपीता पीला,
हरी मटर का भरा पतीला।।

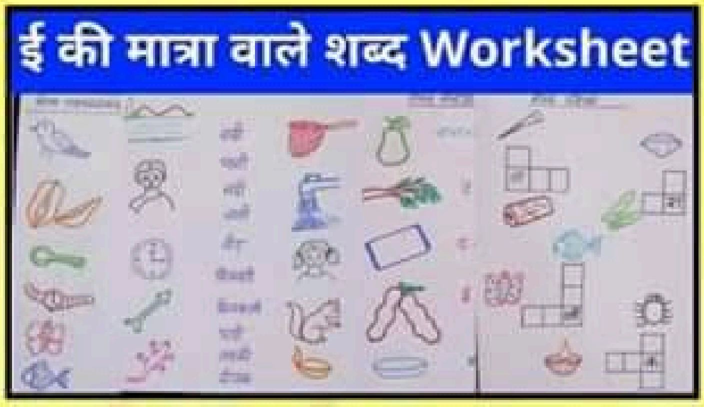

पानी बरसा, छायी बदली,
भीगी सीता, गीता, बबली।
हवा चली ठण्डी, मतवाली,
उड़ गयी नन्हीं चींटी काली।।

नीला दीदी कितनी न्यारी?
पहनी प्यारी पीली साड़ी।
लाली चाची दाल बनाती,
दादी बिना बात चिल्लाती।।

टीचर आती पाठ पढ़ाती,
कभी न लड़ना यह सिखलाती।
जीवन की राह सच्ची रखना,
बात कीमती वह बतलाती।।

रचना
रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुन नगर
खैराबाद, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/03/2022 4109 दिन- बुधवार

बिटिया

मेरे आँगन में खुशियाँ हैं,
तेरे ही खिल खिलाने से।
खिलें कलियाँ बहारों की,
तेरे ही चह-चहाने से।।

गले अपने लगा लूँ मैं,
तुझे मैं किसी बहाने से।
चली जाएगी एक दिन तू,
मेरे इस आशियाने से।।

तुझ सी बेटी को पाया है,
हूँ प्रभु की मैं आभारी।
तेरा मुखड़ा जो देखूँ तो,
परेशानी हों छू सारी।।

तू है बाबुल की लाडो,
तू ही तो माँ की है प्यारी।
यही आशीष है सबका,
मिलें खुशियाँ तुझे सारी।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

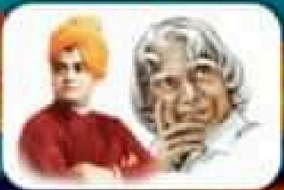

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02-03-2022 **4110** दिन- बुधवार

महाशिवरात्रि

भारतीय का प्रमुख त्यौहार शिवरात्रि,
फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को मनाया जाता है।
पुराणों के अनुसार सृष्टि का शुभारम्भ,
इसी दिन से माना जाता है॥

12 शिवरात्रि में से महाशिवरात्रि को,
शिव का विवाह पार्वती से हुआ।
भारत के साथ बांग्लादेश व नेपाल आदि में,
महाशिवरात्रि विश्व भर में प्रचलित हुआ॥

हर माह की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को,
शिवरात्रि के रूप में मनाते हैं।
फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को,
महाशिवरात्रि नाम से जानते हैं॥

शिव भक्त भगवान शिव की आराधना कर,
महाशिवरात्रि पर व्रत रखते हैं।
शिवभक्त जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक कर,
भगवान शिव की पूजा करते हैं॥

रचना:- शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02.03.2022 **4111** दिन- बुधवार

जापानी भाषा में महीनों के नाम••

जनवरी है इचिगात्सु,
और फरवरी निगात्सु।
मार्च को कहते संगात्सु,
अप्रैल महीना शिगात्सु।।

मई महीना गोगत्सू,
और जून है रोकू गात्सू।
जुलाई को कहते शिचिगात्सु,
अगस्त कहलाये हचीगात्सु।।

माह सितम्बर कुगात्सु,
अक्टूबर है जोगात्सु।
माह नवम्बर जूइचिगात्सु,
और दिसम्बर जुनीगात्सु।।

जनवरी 一月 इचिगात्सु
फरवरी 二月 निगात्सु
मार्च 三月 संगात्सु
अप्रैल 四月 शिगात्सु
मे 五月 गोगत्सू
जून 六月 राक्गुत्सु
जुलाई 七月 शिचिगात्सु
अगस्त 八月 हचीगात्सु
सितम्बर 九月 कुगात्सु
अक्टूबर 十月 जोगत्सु
नवम्बर 十一月 जूइचिगात्सु
दिसम्बर 十二月 जुनीगात्सु

रचना:-
राज कुमार शर्मा (प्र0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 चित्रवार
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट

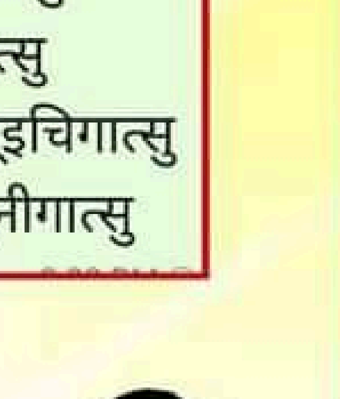

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02.03.2022 **4112** दिन- बुधवार

शिव-शक्ति

शिव ही शक्ति, शिव की भक्ति,
शिव ही अन्त, शिव ही अनन्त।
शिव ही जीवन, शिव ही संहार,
शिव ही आभार, शिव ही आधार।।

शिव ही विष, शिव ही सुधा,
शिव ही तृप्ति, शिव ही क्षुधा।
शिव ही आभा, शिव ही प्रभा,
शिव ही वासर, शिव ही निशा।।

शिव ही अर्चना, शिव ही उपासना,
शिव ही साधना, शिव ही आराधना।
शिव ही पूजन, शिव ही वन्दन,
शिव ही स्तुति, शिव ही हवन।।

शिव ही अखण्ड, शिव ही प्रखण्ड,
शिव ही अमोघ, शिव ही प्रचण्ड।
शिव ही प्रवाह, शिव ही अथाह,
शिव ही सन्त, शिव ही अनन्त।।

रचना-
सुमन दुम्का (स०अ०)
रा० प्रा० वि० गिद्धपुरी
रुद्रपुर, उधम सिंह नगर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02.03.2022 **4113** दिन- बुधवार

गुरु

सत्य की राह पे हमको चलाये,
ज्ञान का दीपक पथ पे जलाये।
कौन है वो...?
गुरु हैं, मेरे गुरु हैं, मेरे गुरु हैं।।

आँखों से मुझको सृष्टि दिखाकर,
ज्ञान की बारिश नित्य कराये।
प्यासे मन की प्यास बुझाकर,
अँधियारे में जोत जगाये।
कौन है वो...?
गुरु हैं, मेरे गुरु हैं, मेरे गुरु हैं।।

वाणी से ज्ञान की गंगा बहाकर,
माटी को छूकर स्वर्ण बनाये।
मुझ मूर्ख को ज्ञान कराकर,
कुटिया पे आकर शान बढ़ाये।
कौन है वो....?
गुरु हैं, मेरे गुरु हैं, मेरे गुरु हैं।।

द्रोण के जैसे दीक्षा कराकर,
कलाहीन को निपुण बनाये।
शिष्टाचार के मन्त्र सिखाकर,
सदाचार का पाठ पढ़ाये।
कौन है वो....?
गुरु हैं, मेरे गुरु हैं, मेरे गुरु हैं।।

रचना
रविन्द्र कुमार सिरोही (स०अ०)
प्रा० वि० सूप-2
छपरौली, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

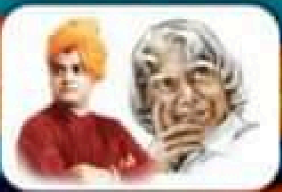

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-03/03/2022 **4114** दिन- गुरुवार

बसन्त (भाग-2)

चहुँ ओर सोंधी सी खुशबू,
प्रकृति में है बिखरायी।
छुपी हुई थी तितली रानी,
पुष्पो पर है मण्डरायी।।

इन्द्रधनुषी नभ की शोभा,
अगम विरल छवि निराली।
गुन्जन करती कोयल रानी,
उपवन मे हर डाली-डाली।।

लौटे सब प्रवासी पक्षी,
अपनी बगिया मे न्यारी।
चहचाहट सी गूँज रही,
मनभावन सी कर्णप्यारी।।

बारिश की लेकर मन्द फुहार,
बरसाती मधुरिम बौछार।
करती धरा का शुभ स्नान,
छलकत गगरी ज्यों जलधार।।

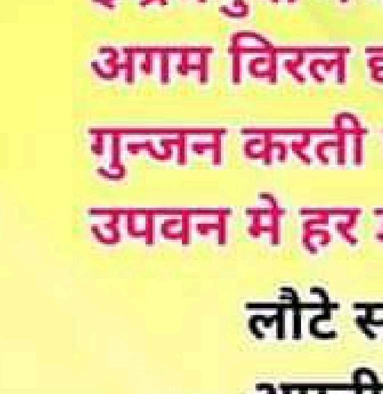

रचना-
रामकुमारी (स०अ०)
प्रा० वि० खालिदपुर-2
मवाना, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 03/03/2022 **4115** दिन- गुरुवार

मेरा थैला...

अपना थैला तुमको दिखाऊँ,
इसमें क्या-क्या चीज, बताऊँ?
पहले देखो यह डिब्बा लाल,
इसके अन्दर बहुत रुमाल।।

पीला डिब्बा उससे छोटा,
जिसमें बावन गोटी-गोटा।
हर गोटी पर बने निशान,
खेल नया है जायें जान।।

नीला वाला तुम्हें दिखाऊँ,
उससे कोई खेल सिखाऊँ।
गोल-गोल हैं बण्डल इसमें,
दस-दस तीली बाँधी सबमें।।

एक लिफाफा जो है काला,
उसमें सब समान निराला।
उसके अन्दर खेल खिलौने,
सबमें तीन-तीन हैं कोने।।

आओ मिलकर खेलें, सीखें,
खेल गणित के देखें, सीखें।।

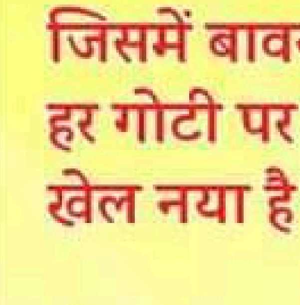

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- ***03-03-2022*** **4116** दिन- ***गुरुवार***

पावन होली

प्रेम का प्रतीक पर्व है होली,
मन भावन फागों को गाती है होली।
रंगों सी निर्मलता लाती है होली,
रंगों और उमंगों का पर्व है होली।।

शीत ऋतु को विदा कर गयी होली ,
ग्रीष्म ऋतु की आहट ले आयी होली।
जीवन में खुशियों के रंग लाये होली,
सबके चेहरे पर मुस्कान ले आयी होली।।

कचरे और अवगुणों की जलायें होली,
आओ हम सब मिलकर मनायें होली।
कई रंगों की एक कहानी है होली,
बसन्त आये, बहार लाये यह पावन होली।।

रंगीन दुनियाँ की ठिठोली है होली,
प्यार के रंग, दिल की मुस्कान है होली।
मुहब्बत का रंग ज़िन्दगी भर निभाये होली,
सभी त्योहारों में "अनुपम " है होली।।

रचना

अनुपमा जैन (स०अ०)
उ० प्रा० वि० मौहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 03/03/2022 **4117** दिन- गुरुवार

नारी चौपाल

नारी चौपाल का हुआ आयोजन,
अभिभावकों को करना है जागृत।
खासकर माताओं को बुलाकर,
विद्यालय में किया पुरुस्कृत।।

सभी को यह समझाया गया है,
छात्राएँ भी आगे बढ़ सकती हैं।
मम्मी, पापा, गाँव, देश का,
नाम रोशन कर सकती हैं।।

नारी चौपाल में विभिन्न प्रतियोगिताओं का,
पोस्टर, आत्मरक्षा आयोजन कराया गया।
मीना मंच व पावर एंजल ने नुक्कड़ नाटक,
पपेट शो का प्रदर्शन किया गया।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 03/03/2022 **4118** दिन- गुरुवार

विलोम गीत

सुख-दुःख हैं जीवन के पहिये,
दिवस-रात हमें चलना है।
भोर हुआ है जीवन का यदि,
संध्या में तो ढलना है।।

अपना-पराया नहीं है जग में,
सबको मिलजुल कर रहना है।
प्रेम करो तुम सदा सभी से,
न घृणा किसी से करना है।।

जीवन मानव का मिला तुझे,
दानव बनकर मत रहना।
भला सभी का नित-प्रति करना,
बुरा किसी को मत कहना।।

कभी धीमी कभी तीव्र गति से,
जीवन बीता जाता है।
बचपन में तो था तू हँसता,
क्यों देख बुढ़ापा है रोता।।

****

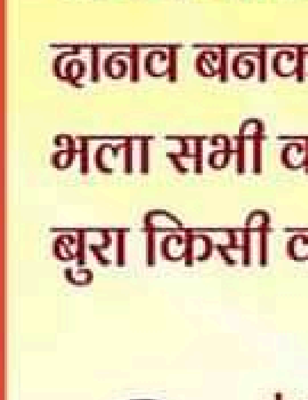

रचना
अंजू सैनी (ए0आर0पी0)
गाज़ियाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 03.03.2022 **4119** दिन- गुरुवार

स्कूल में प्रवेश (भाग-2)

भाव उसका ऐसा दिखता,
शाला में वो रहना चाहता।
पर घर की याद जैसे आती,
अश्रुधारा आँखों से बहती।।

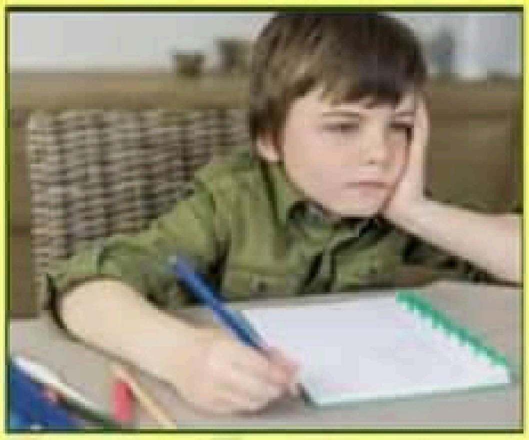

नजरें उसकी ढूँढने लगती,
किसी परिचित अपने को।
पर अपरिचित जब सब लगता,
विचलित उसके मन को करता।।

धीरे-धीरे जब मन उसका,
पाठशाला में रमने लगता।
शिक्षक, साथी और स्कूल को
अपना फिर वो समझने लगता।।

सबके साथ पढ़ना-लिखना,
खेलना-खाना, हँसना-गाना।
नहीं लगता उसको कोई डर,
शाला अब उसका दूजा घर।।

रचना
रेखा पुरोहित(स०अ०)
रा० प्रा० वि० सौंराखाल
जखोली, रुद्रप्रयाग

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 03/03/2022 **4120** दिन- गुरुवार

तिरंगा

तीन रंगों से रंग बिरंगा,
कहते उसको हम तिरंगा।
सबसे ऊपर केसरिया होता,
त्याग, बलिदान का सन्देशा देता।।

मध्य में होता रंग सफेद,
देता स्वच्छता शान्ति का सन्देश।
अन्त में होता रंग हरा,
देश हो खुशहाली से भरा।।

चौबीस तीलियों का घेरा,
अनवरत उन्नति का फेरा।
सार्वजनिक इमारत, संसद भवन,
सदा लहराता तिरंगा उत्तंग।।

देश की शान बढ़ाने वाला,
सबको एक बनाने वाला।
तिरंगा है सम्मान हमारा,
अपनी जान से भी प्यारा।।

रचना-
मनीष त्रिवेदी (स०अ०)
प्रा० वि० हमीरपुर
ब्लॉक- रसूलाबाद कानपुर देहात

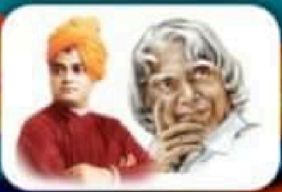

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 04-03-2022 4121 दिन- शुक्रवार

बेटी का मोल

मन रहा था जश्न घर में,
बिटिया खुशी बन कर आयी।
जन्म लिया है बेटी ने सुनकर,
पापा के चेहरे पर मुस्कान छायी।।

नन्हे-नन्हे कदमों से,
उस परी का चलकर आना।
थोड़ा सा रोना और थोड़ा मुस्काना,
सबका बन गया था जीवन यही।।

मम्मी-पापा का कभी बचपन लौटा,
जब बडी़ हुई वह बेटी सोचा।
कर दी जाये गुड़िया की शादी,
चमक जाये उसका भी जीवन।।

मिला एक सुन्दर सा दुल्हा,
नाजों से उस पली-बडी़ को।
आज दुल्हन बन चुकी थी,
वो दहेज के तराजू में तुल चुकी थी।।

रचना
ब्रजेश सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० बीठना, लोधा
अलीगढ़

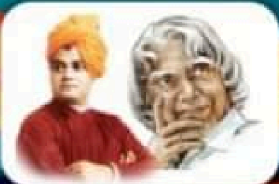

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 04/03/2022 4122 दिन- शुक्रवार

कठोर परिश्रम

हँसते रहो, मुस्कुराते रहो,
जिन्दगी है तो गुनगुनाते रहो।
यूँ ही गुजर जायेगी यह,
बस कारवाँ बनाते रहो।।

हम बच्चों ने ठाना है,
मंजिल पर जाना है।
चाहे राहें हों कटीली,
फिर भी नहीं घबराना है।।

आज नहीं तो कल,
मिलेगा अवश्य फल।
जब करेंगे मेहनत हम,
अवश्य होंगे सफल।।

चाहे रात अँधेरी हो,
उजाला जरूर आयेगा।
अपनी भी किस्मत का,
ताला कल खुल जायेगा।।

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी नवीन,
मिश्रिख, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

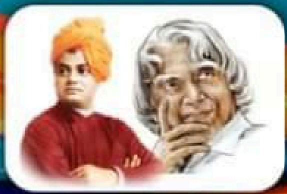

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 04.03.2022

4123

दिन- शुक्रवार

विद्यालयों में रौनक

विद्या का मन्दिर फिर से,
अपनी छटा बिखेरेगा।
शोरगुल, हंसी-खेल से,
हर मन्दिर अब गूँजेगा।।

निपुण भारत के अन्तर्गत,
सौ दिवसीय रीडिंग कैम्पेन होगा।
नयी कहानी, कविता, गतिविधि,
से हर बच्चा कुछ सीखेगा।।

उत्साहित हैं गुरुजन भी सब,
नन्हे पुष्पों से महकेगी बगिया।
फिर से शिक्षा के दीये जलाएँगे,
इतिहास बनाएँगे फिर एक नया।।

रचना
अर्चना पांडेय (स०अ०)
उ० प्रा० वि० परथला खंजरपुर
बिसरख, गौतम बुद्ध नगर

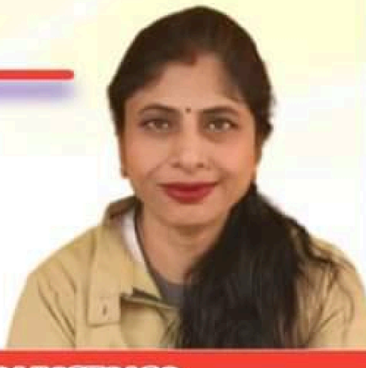

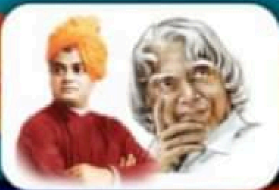

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 04/03/2022 4124 दिन- शुक्रवार

सर्दी आयी

कड़क-कड़क सर्दी है आयी,
किट-किट करते दाँत हैं भाई।
चारों ओर है धुंध की चादर,
देता नही है कुछ भी दिखाई।।

शीत लहर जोरों से चलती,
तपिश धूप की पड़ गयी हल्की।
सभी ठण्ड में सुकड रहे हैं,
गर्मी के तेवर ढूँढ रहे हैं।।

अब तो निकलो सूरज भाई,
कब तक बैठे ओढ़ रजाई?
सब ने मिल गुहार लगाई,
कहाँ छुप गए सूरज भाई।।

बहुत हो गयी आँख-मिचोली,
सर्दी ने बस कमर है तोड़ी।
दिखला दो गर्मी के तेवर,
राहत दे दो सबको आकर।।

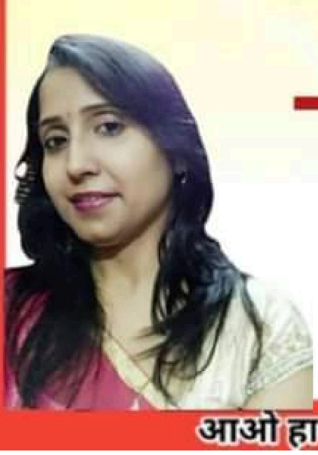

रचना- रचना रानी शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8), नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 04.03.2022 4125 दिन- शुक्रवार

पतंग

इठलाती हुई गगन में,
मस्त मगन हो उड़ी पतंग।
कच्चा हो फिर चाहे पक्का,
हर धागे संग जुड़ी पतंग।।

हैं ये कितनी रंग-बिरंगी,
आसमानी, काली, पीली।
कहीं पर दिखी लाल, हरी,
और कहीं पर धानी, नीली।।

कभी तो आती झट से नीचे,
ऊपर जाती झूम-झूमकर।
दाँये-बाँये है लहराती,
जैसे निकली हो सैर पर।।

कितनी भी हो विपरीत हवा,
फर-फर करके उड़ जाये।
सब बच्चे मिल पेंच लड़ाते,
कटे तो फिर लूट मच जाये।।

रचना
अनुपमा यादव (स०अ०)
प्रा० वि० जिरसमी प्रथम
वि० क्षे०-शीतलपुर, एटा

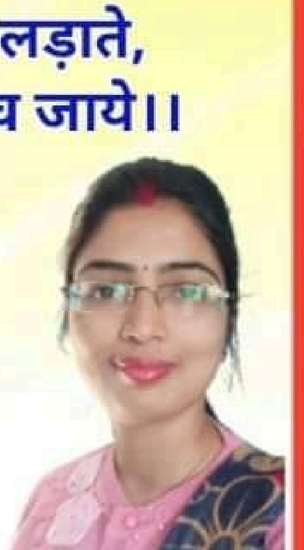

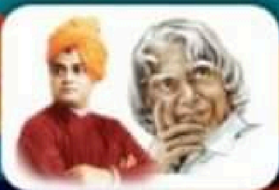

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 04.03.2022 **4126** दिन- शुक्रवार

आजाद जी का बलिदान

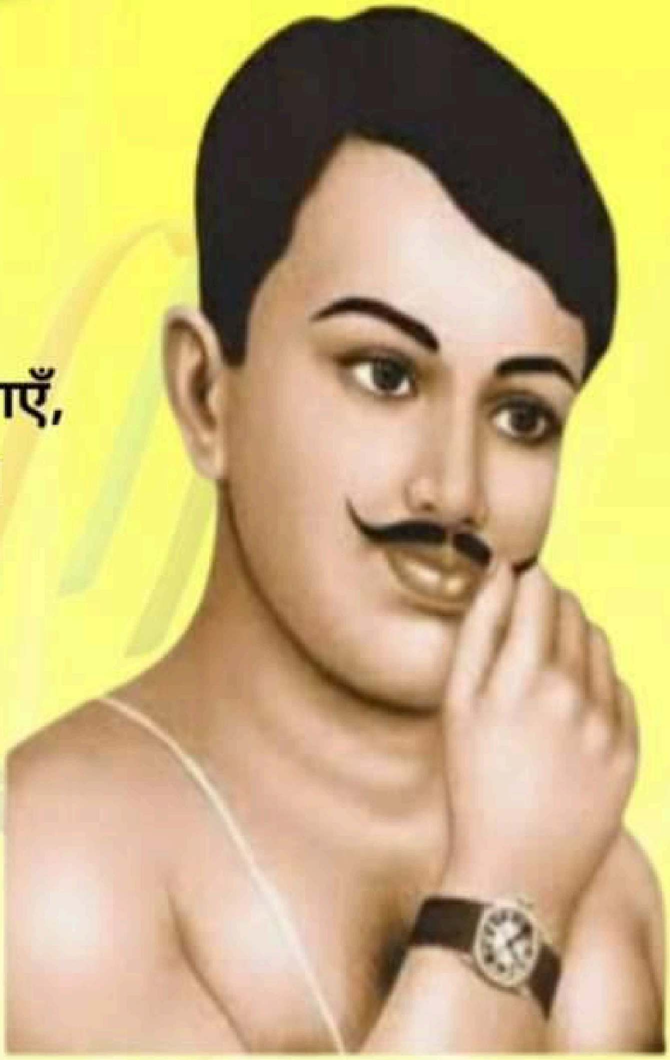

गाँधी जी के आन्दोलन रुकने से,
क्रान्तिकारी थे परेशान।।
मित्रों की मृत्युदण्ड सजा,
कम करने को कर रहे थे इन्तजाम।।

कोड़ों की मार और असंख्य यातनाएँ,
सहते कर रहे थे स्वतन्त्रता संग्राम।
लाल जवाहर के पास आये,
लेकर ये प्रेमी अपना पैगाम।।

मैं आजाद हूँ, आजाद ही मरूँगा,
गुलामी का आदर नहीं करूँगा।
27 फरवरी 1931 के दिन को,
ब्रिटिश सैनिकों ने घेर लिया उनको।।

दे दनादन गोलीबारी की,
आजाद ने साहस दिखाया।
अन्तिम गोली शेष बची जब,
स्वयं को मार अमर कराया।।

रचना
सरोज डिमरी (स०अ०)
रा० आ० उ० प्रा० वि० गौचर
कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

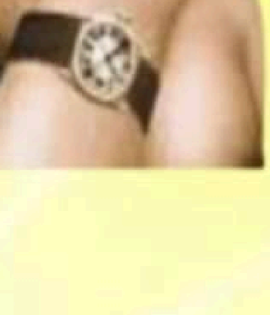

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 04.03.2022 **4127** दिन- शुक्रवार

जीने की अदा

दु:ख में भी हमेशा तू,
मुस्कुराना सीख ले।
मुश्किल घड़ी में भी,
समय बिताना सीख ले।।

साजिशें रचने वालों से,
सावधान रहना सीख ले।
बड़े चालाक होते हैं ये,
इनसे संभल जाना सीख ले।।

मत करना इन पर ऐतबार,
इनसे दो चार होना सीख ले।
जमाना बड़ी रफ्तार में है,
अब जीने की अदा सीख ले।।

रचना
अशोक अंतिल (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सुल्तानपुर हटाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 5/03/2022 **4128** दिन- शनिवार

शिवरात्रि मनाएँ

आओ सभी शिवरात्रि मनाएँ,
शिव पूजन की थाली सजाएँ।
पर्वत पर डाला है डेरा,
भूतों के संग करें बसेरा।

सबके दुःखों को हैं हरते,
हर पल सबकी रक्षा करते।
कोई भी नहीं ऐसा रखवाला,
शिव तो सच्चा भोला-भाला।।

शिव की पूजा करके हम,
उन को भोग लगाते हैं।
भोले बाबा के दीवाने,
हम हैं बरसों के पुराने।।

रचना

नेहा यादव (छात्रा, कक्षा 8)
उ० प्रा० वि० स्योढा,
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-05/03/2022 4129 दिन-शनिवार

होली का त्यौहार

आओ होली का त्यौहार,
सब मिलकर कुछ यूँ मनाएँगे।
केमिकल रंगों को त्यागकर,
प्रेम के रंग बरसाएँगे।।

जो भी जिससे रूठा होगा,
उसे जाकर मनाएँगे।
मन की दुर्भावना को जलाकर,
सद्भावना दीप जलाएँगे।।

गुझिया, कचरी, पकौड़ी,
दही बड़े खूब बनाएँगे।
जो भी घर पर आयेगा,
प्रेम पूर्वक खिलाएँगे।।

पानी के मूल्य को समझकर,
पानी को यूँ ही नही बहाएँगे।
आओ होली का त्यौहार,
हम सब मिलकर यूँ मनाएँगे।।

रचना
माला सिंह(स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

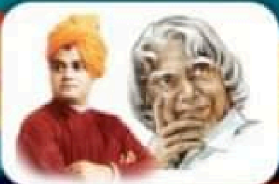

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-05.02.2022 **4130** दिन-शनिवार

शहर की सैर ...

जंगल के सारे पशु-पक्षी,
चले शहर की करने सैर।
कोई पहने जूते चश्मा,
कोई जाता नंगे पैर।।

सोचा, देखेंगे हम पिक्चर,
पापकार्न मिलकर खाएँगे।
बैठ सिनेमाघर के अन्दर,
सीटी खूब बजाएँगे।।

बन्दरिया ने पहना लहँगा
सुन्दर-सुन्दर गोटेदार।
और चली है संग शेरनी,
करके देखो खूब सिंगार।।

जब बैठे सब बालकनी में,
देखे अपने-अपने चित्र।
समझ गये, तब खुद को सारे,
क्यों हैं हम सब इतने विचित्र!

रचना
शिखा वर्मा (इं0प्र0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

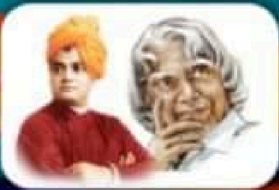

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 05-03-2022 **4131** दिन- शनिवार

मदारी

देखो एक मदारी आया।
बन्दर और बन्दरिया लाया॥
डमरू डुग-डुग बजा रहा है।
खेल-तमाशा दिखा रहा है॥

बन्दर कोट-पैण्ट पहने हैं।
नीक बन्दरिया के गहने हैं॥
बन्दर उछल-कूद करता है।
कन्धे पर लाठी धरता है॥

भाँति-भाँति की कला दिखाता।
और सभी का मन बहलाता॥
फिर बन्दर की दुल्हन बन्दरिया।
पहन रेशमी लाल घँघरिया॥

ठुमक-ठुमक कर नाच दिखायी।
माँग-माँग कर पैसे लायी॥
पैसों को झोली में डाल।
चला मदारी हो खुशहाल॥

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना

रामचन्द्र सिंह (स०अ०
प्रा० वि० जगजीवनपुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान ब

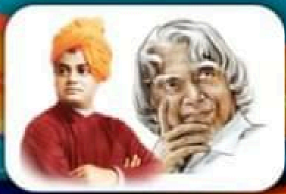

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 05.03.2022 **4132** दिन- शनिवार

किताबें हमारी सच्ची मित्र

सबसे अच्छी मित्र हमारी,
बताओ बच्चों कौन हमारी।
सोचो-सोचो फिर बतलाओ,
थोड़ा दिमाग पर जोर लगाओ।

छोटू, दीपू , गीता, नीता,
श्वेता, सुषमा, सावित्री, सीता।
सब बच्चों ने सोच-समझकर,
मित्रों के नाम गिनाये हँसकर।।

मैड़म बोली थोड़ा मुस्कुराके,
हाथ में पकड़कर के यों किताबें।
ये हैं सच्ची मित्र बतातीं,
हर मुश्किल में साथ निभातीं।।

जीने की सही राह दिखातीं,
अँधेरे में दीपक बन जातीं।
कुछ नहीं ये हमसे चाहतीं,
सब पर अपना ज्ञान लुटातीं।।

रचना
भावना जैन (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय निवाड़ा
बागपत, बागपत

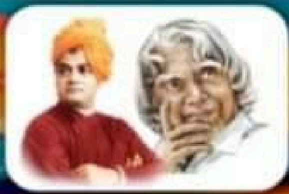

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 05/03/2022 **4133** दिन- शनिवार

बसन्त ऋतु

रंग-बिरंगे फूल खिल गये,
चारों ओर बहार है छायी।
प्रकृति ने श्रृंगार किया,
ऋतु बसन्त देखो आयी।।

नील गगन में उड़ते पक्षी,
कोयल मीठे गीत गा रही।
जाग गयी है माँ वसुधा,
फिर हरियाली छा रही।।

पीली-पीली सरसों फूली,
बौर आ गये पेड़ों पर।
रंग-बिरंगे तितली, भँवरे,
मँडराना उनके ऊपर।।

बहने लगी अब पवन मन्द,
मीठी, मधुर चली सुगन्ध ।
उल्लास है हर ओर भरा,
पुलकित हो रही है धरा।।

रचना-
रेखा पुरोहित(स०अ०)
रा० प्रा० वि० सौंराखाल
जखोली, रुद्रप्रयाग

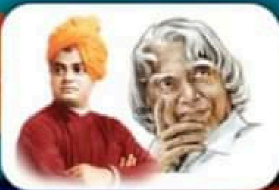

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 04-03-2022 **4134** दिन- शनिवार

विद्यालय परिवेश

सुन्दर-सा हो परिवेश हमारा,
बच्चे-बच्चे को संस्कार मिले।
विद्यालय में हर एक बच्चे को,
अपनों के जैसा ही प्यार मिले।।

गुरुकुल के जैसे हों विद्यालय,
जहाँ बात-बात में ज्ञान मिले।
सर्वांगीण विकास बच्चे का हो,
बच्चा में सच्चा इन्सान मिले।।

हो कुछ ऐसा नवाचार फिर से,
उच्च-कोटि का गुरुज्ञान मिले।
मन की बगिया महके हर दम,
हर सुबह नया एक फूल खिले।।

सारी विद्याओं में निपुण बने,
एकलव्य के जैसा शिष्य मिले।।
गुणवान बने हर एक बालक,
द्रोणाचार्य सा गुरु महान मिले।।

रचना
सुनील कुमार (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय
जौंरा, औरैया।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 07/03/2022 **4135** दिन- सोमवार

आया बसन्त

आया बसन्त, आया बसन्त,
सबके मन को भाया बसन्त।
धरती ने धानी चुनर पहन ली,
चारों दिशाओं में छाया बसन्त।।

भँवरे फूलों पर मँडराए,
आम की डाली पर बौरे आये।
आकाश में उड़ने लगी पतंग,
आया बसन्त, आया बसन्त।।

डाल–डाल पर झूले पड़ गये,
पतंगों के भी पेच हैं लड़ गये।
तितलियाँ घूमें उपवन–उपवन,
आया बसन्त, आया बसन्त।।

रंगों से सज गयी चहुँ दिशाएँ,
कोयलिया भी गीत सुनाये।
मधुर–मधुर बहे पवन,
आया बसन्त, आया बसन्त।।

रचना

सबा परवीन (स०अ०)
उ० प्रा० वि० चितमाना शेरपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

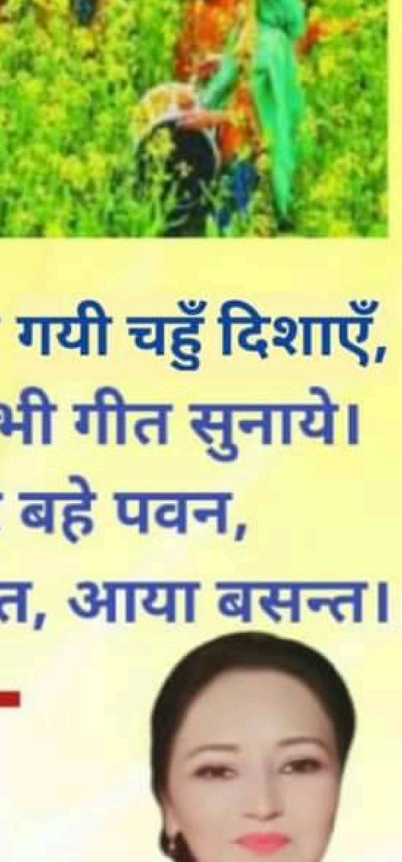

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

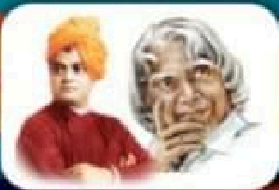

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 07-03-2022 **4136** दिन- सोमवार

मेरा ब्लॉक

कितना साफ-साफ है,
कड़ा हमारा ब्लॉक है।
फैला मीलों-मील है,
सिराथू तहसील है।।

कौशाम्बी है जिला हमारा,
गंगा का है यहाँ किनारा।
उत्तर प्रदेश है राज्य हमारा,
बिहार तक इसका किनारा।।

श्री प्रकाश सिंह जी हैं,
बेसिक शिक्षा अधिकारी।
श्री अरविन्द पाण्डेय जी हैं,
खण्ड शिक्षा अधिकारी।।

याद करो तुम याद करो,
अब है किसकी बारी।
श्री सुजीत कुमार जी हैं,
हमारे जिला अधिकारी।।

कितना साफ-साफ है।
कड़ा हमारा ब्लॉक है।।

रचना
श्रेया द्विवेदी (स० अ०)
प्रा० वि० देवीगंज प्रथम
कड़ा, कौशाम्बी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

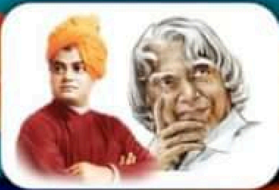

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 07-03-2022 **4137** दिन- सोमवार

मन का आईना

मुस्कराकर देखो आँखों से आईना,
हँसता-खिलता चेहरा नजर आएगा।
मन की आँखों से देखोगे जब आईना,
सारा भेद पलभर में खुल जाएगा ।।

दिखाता आईना सिर्फ खूबसूरती,
मन का मैल वो कैसे दिखाएगा।
मन की आँखों से देखोगे जब आईना,
मैल मन का साफ नजर आ जाएगा।।

दिल में छिपे हैं जो ईर्ष्या के भाव,
काम, क्रोध, घृणा का बोध हो जाएगा।।
पहचान लोगे जब इन मनोभावों को,
मैल मन का खुद-ब-खुद धुल जाएगा।।

भेजा खुदा ने हमको बनाकर इंसान,
नेकी करके ही दिलों में बस पाएगा।
खुदा की रहमत और गैरों की दुआओं से,
हर चेहरा सँवरा हुआ नजर आएगा।।

रचना- अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

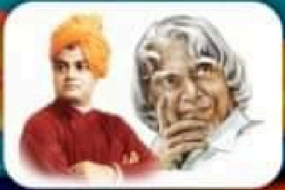

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-07.03.2022 **4138** दिन सोमवार

"आ" की मात्रा

आम का अचार लगता खट्टा,
अनार खाता हर एक बच्चा।
लाल टमाटर गाजर खाजा,
राजा थम जा, बजा न बाजा।।

बादल आया, जल भर लाया,
आसमान पर तनकर छाया।
जब बरसा तब ताल भर गया,
साग, बाग सब हरा कर गया।।

कान्हा, काजल, पायल आजा,
तबला बजाकर गाना गाजा।
माला दरवाजा न बन्द कर,
वानर झाँक रहा, अब बस कर।।

साहस, ताकत, ध्यान लगाकर,
सच्चा मार्ग सदा अपनाकर।
आलस, त्याग अब कर काम,
पापा-बाबा का करना नाम।।

रचना

रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुन नगर
खैराबाद, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

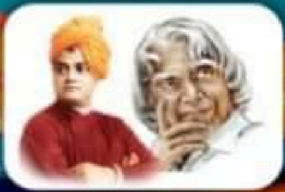

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 07.03.2022 **4139** दिन- सोमवार

देवभूमि उत्तराखण्ड

पहाड़ों की परिभाषा,
उदाहरण दे रही हूँ मैं।
चले आओ पहाड़ों पर,
निमन्त्रण दे रही हूँ मैं।।

बसते स्वयं विष्णु,
जहाँ भगवान बद्री रूप में।
बसते स्वयं भोले,
जहाँ केदार काल रूप में।।

जहाँ माँ गंगा-यमुना जैसी,
पतित पावन नदियाँ हैं।
जहाँ माँ नन्दा की माटी है,
जहाँ फूलों की घाटी है।।

जहाँ सुगन्धित ब्रह्मकमलों,
संग निशा करती बसेरा है।
मोक्ष यहाँ पर मिलता है,
पाप सभी का धुलता है।।

रचना-
अनीता शाह (स०अ०)
रा० प्रा० वि० पलेठी
कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

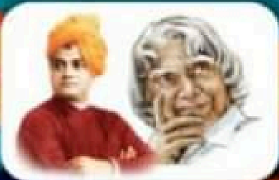

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 07/03/22 **4140** दिन सोमवार

होली की उमंग

आओ मिलकर खुशियाँ मनायें,
प्रेम-भक्ति के रंग उड़ायें।
पहला रंग उड़े ज्ञान का,
बुद्ध समान ज्ञानी बन जायें।।

हम खेले शब्दों के संग,
ज्ञान-विद्वत्ता के उड़ते रंग।
दूसरा रंग उड़े वीरता का,
शिवाजी जैसे वीर बन जायें।।

तीसरा रंग उड़े भक्ति का,
राधा-कृष्ण सा जग महकायें।
प्रेम के संग भक्ति के रंग से,
मन-मन्दिर पावन कर जायें।।

कटु-भावों का करें तिरस्कार,
मिल सब जलायें बुरे विचार।
प्रेम और सदभाव के रंग से,
आओ मिलकर होली मनायें।।

रचना

स्तुति श्रीवास्तव (प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय पिपरी
म्योरपुर, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

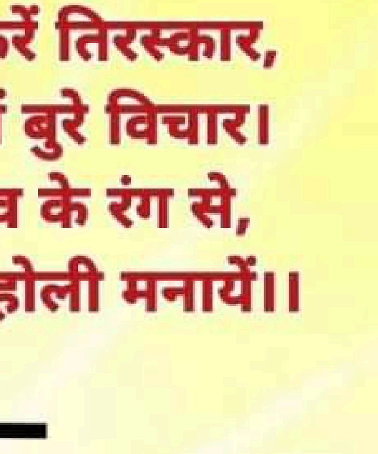

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-08/03/2022 4141 दिन- मंगलवार

अजन्मी बेटी की पुकार

मत मारो, मुझे मत मारो!
मुझे जीने का अधिकार दो।
मैं बेटी हूँ, मैं गौरव हूँ,
मेरे सपने को आकार दो।।

होगा गर्व तुम्हें मुझ पर,
गर मुझको उड़ने दोगे तुम।
मेरे नन्हें, कोमल पंखों में,
गर शक्ति भरने दोगे तुम।।

वादा करती हूँ माँ तुमसे,
शीश न झुकने दूँगी मैं।
नित नयी उम्मीदों से,
तेरी झोली भर दूँगी मैं।।

भ्रूण हत्या के अभिशाप को,
इस समाज से मिटा डालो।
नारी बिन जीवन हो कैसा?
दृष्टि इस पर तुम भी डालो।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर,
परीक्षितगढ़, मेरठ

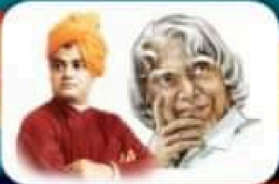

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 08.03.2022 **4142** दिन- मंगलवार

गणित की समझ ....

+ - × ÷ =

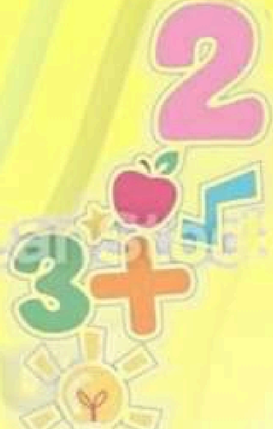

गणित के चार आधार,
जोड़, घटाना, गुणा, भाग।
हो जाओ इनसे तुम दो-चार,
तो समझोगे गणित का राग।।

जोड़ हैं सबसे जुदा,
जिसका चिन्ह कहे सदा।
एक-एक करके जुड़ते जाओ,
और गणित की गिनती बढ़ाओ।।

घटाना आया लेकर एक डण्डा,
जो बजाये बस यही डंका।
एक-एक करके कम हो जाओ,
और गणित की संख्या घटाओ।।

गुणा तो है जोड़ का हिस्सा,
बार-बार यह जुड़ने का किस्सा।
भाग तो है घटाने का हिस्सा,
बार-बार यह घटने का किस्सा।।

रचना
नम्रता मौर्या (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पचुरखी
बिसवाँ, सीतापुर

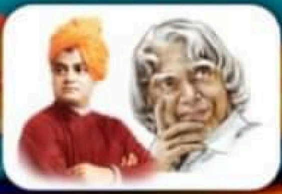

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 08-03-2022 **4143** दिन- मंगलवार

लुका-छिपी

लुका-छिपी का खेल निराला,
आओ इसको जानें हम।
बेहतर जितने हों खिलाड़ी,
दो तो जरूरी कम से कम।।

चुनो एक ऐसी जगह को,
छिपने की जगह हो भरपूर।
छिपे खिलाड़ी तितर-बितर,
एक ढूँढ़ने को मजबूर।।

गिनती गिनता एक, दो, तीन, चार..,
कर के अपनी आँखें बन्द।
"आ रहा हूँ" छिपे रहना,
ढूँढ़े सबको मन्द-मन्द।।

सबसे पहले जो खोजा जाता,
हार उसी की हो जाती।
ढूँढ़ा जाता जो अन्त में,
जीत उसी को है भाती।।

रचना-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा० वि० समोखर
निधौलीकलां, एटा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

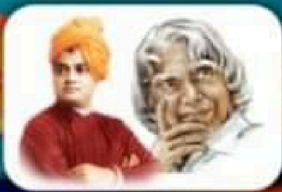

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 08/03/2022 **4144** दिन- मंगलवार

नारी तुम महान हो

तुम सृष्टि की प्रथम गुरु हो,
आदि शक्ति स्वरूपा हो।
सृष्टि की रचना कार हो,
हे माँ तुम जगत वन्दनी हो।।

सीता, सावित्री, जीजाबाई,
सुनीति, लक्ष्मीबाई तुम्हीं हो।
तुम कौशल्या, माता कुन्ती,
ऊमा, ऊषा रमा तुम्हीं हो।।

तुम प्रकृति हो पूरक पुरुष की,
तुम पुरुष की ताकत हो।
तुम चेतना हो सृष्टि की,
तुम ईश्वर की सुन्दर कृति हो।।

तुम पुरुष शक्ति की जीवन सुधा हो,
स्नेह और सरलता की प्रतिमूर्ति हो।
तुम संवेदनाओं की खान हो,
तुम अलौकिक ज्योति की साकार प्रतिमा हो।।

तुम तप्त हृदय की शीतल छाया हो,
त्याग, कर्तव्य व उत्तरदायित्व से परिपूरित हो।
तुम अबला नहीं सबला हो,
तुम पुरुष शक्ति से महान हो।।

रचना-:

माधव सिंह नेगी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० जैली
जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 08/03/2022 4145 दिन- मंगलवार

मैं नारी हूँ

मैं नारी हूँ , मैं नारी हूँ ,
हाँ मैं भारत की नारी हूँ ।
ममता रूपी गागर हूँ मैं,
दया का अद्भुत सागर हूँ।।

मैं लक्ष्मी हूँ , मैं दुर्गा हूँ ,
मैं सरस्वती ,मैं हूँ काली ।
दुनिया के सन्ताप मिटाने को,
मैं ज्वाला रूप धरने वाली।।

ईश्वर की अनुपम कृति हूँ मैं,
काव्य और सौंदर्य हूँ मैं।
शक्ति का एक स्वरूप हूँ मैं ,
तम जो हरता वह दीप हूँ मैं ।।

मैंने स्वर्णिम इतिहास दिया ,
भारत को शिवा,सुभाष दिया।
सम्मान न नारी का कम हो,
सम्मान की मैं अधिकारी हूँ ।।

रचना - शुभा देवी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

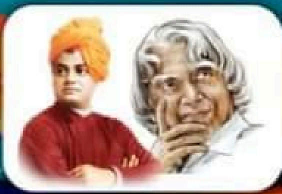

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 08.03.2022 **4146** दिन- मंगलवार

मनभावन होली

रंग जाएँ सब एक रंग में प्रेम के,
ना रहे कोई दुश्मन किसी वेष में।
आयी होली आओ सब गले मिलें,
दिलों में न रहें कोई शिकवे-गिले।।

रंग-बिरंगा गुलाल लगाओ,
पिचकारी में रंग भर लाओ।
सतरंगी रंग में रंग दो सबको,
हर्षित कर दो सबके मन को।।

होली के मिल गीत तो गाओ,
मस्ती में सब मिल झूम जाओ।
गुझिया, मिठाई खाओ-खिलाओ,
होली का मिलकर जश्न मनाओ।।

रंगों से दिलों के मेल को धो लो,
एक-दूजे संग हंसकर बोलो।
आयी ऐसी मनभावन होली,
बच्चों की बन गयी देखो टोली।।

रचना
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय निवाड़ा
बागपत, बागपत

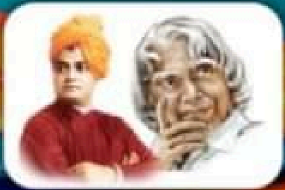

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 08/03/2022 **4147** दिन- मंगलवार

हाँ, मैं ही नारी

धरती के कण-कण में मैं हूँ,
प्रकृति की सुन्दरता में मैं हूँ।
सारा संसार है मुझमें,
शक्ति का अवतार भी मैं हूँ।।

घर-आँगन को महकाती,
अन्नपूर्णा मैं मानी जाती।
बच्चों पर वात्सल्य लुटा कर,
ममता की मूरत कहलाती।।

अनेक रूप होते हैं मेरे,
मैं ही जगत जननी कहलाती।
नवरात्रि के पावन पर्व पर,
शक्ति बनकर पूजी जाती।।

अपने हौसलों की ऊँची उड़ान से,
आसमान को मैं छू आती।
ईश्वर की सुन्दर रचना,
हाँ मैं ही नारी कहलाती।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

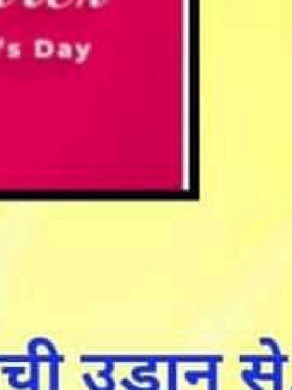

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

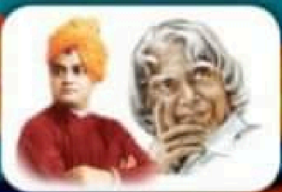

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 09/03/22 4148 दिन- बुधवार

युद्ध

बड़ा ही भयानक होता युद्ध का दौर,
दुनिया बचा लो सब कर लो गौर।
यूक्रेन,रूस लड़ो ना अब और,
जिन्दगियाँ बिलख रहीं चहुँ ओर।।

भयँकर बमबारी ने मचा दी तबाही,
बारूद के बादल दे रहे हैं गवाही।
दुनिया का रक्षक ही भक्षक बना है,
आमजन मौत के डर से सहमा घना है।।

सहसा ही तोपों के गोलों ने आग बरसा दी,
सुन्दर शहर को तबाह कर लाशें बिछा दी।
भारत के छात्र भी यूक्रेन में फँस गये,
मौत और जिंदगी के कहर में डस गये।।

हिरोशिमा नागासाकी को क्या भूल गये?
मानवता शर्मसार हुई क्या घमंड में फूल गये?
क्यों दुनिया को मिटाने पर तुले हो तुम?
जब सब मिट जाएगा अकेले खड़े रह जाओगे तुम?

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना- प्रेमचन्द (प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० सिसौला खुर्द
जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 09.03.2022 **4149** दिन- बुधवार

पर्यावरण बचाओ...

आओ हम संकल्प करें,
आओ हम संकल्प करें।
लगाएँ वृक्ष और वन,
फिर सुन्दर पक्षी गाएँ मेरे घर-आँगन।।

बन के स्वार्थी नष्ट करो न पेड़ों को,
नष्ट हो जायेगी प्राणवायु आक्सीजन।
माँ स्वरूपी पर्यावरण को बचाना होगा,
कम प्रयोग हो वायु में विष घोलते वाहन।।

प्रकृति के नियमों का,
मत करो उल्लंघन।
ओजोन को बचाओ,
और बन्द करो प्रदूषण।।

प्रकृति भी अप्रसन्न हो गयी धरती,
अन्न-फल के माध्यम से विष न पाये जन-जन,
जैविक उर्वरा डालो खेत में, न रसायन।
अस्त व्यस्त हो गयीं सभी-ऋतुएँ मौसम ।

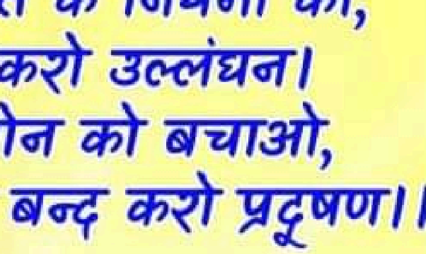

रचना
शीबा नाज़ अंसारी (प्र0अ0)
प्रा0 वि0 बैसनपुरवा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

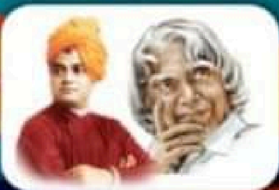

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 09/03/2022 **4150** दिन- बुधवार

औरत हूँ

खूब सूरत पलों को,
किस्सा बना लेती हूँ।
परिवार को बदन का,
हिस्सा बना लेती हूँ।।

कभी नहीं टूटे वो,
रिश्ता बना लेती हूँ।।
हाँ, औरत हूँ, मैं तो,
सबसे निभा लेती हूँ।।

सहयोग-सेवा से
समर्पण कर देती हूँ
प्यार से, सभी को,
अपना बना लेती हूँ।।

काँटों में रहकर भी
गुलों को खिला देती हूँ।
अपने परिवार को,
गुलिस्ताँ बना लेती हूँ।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

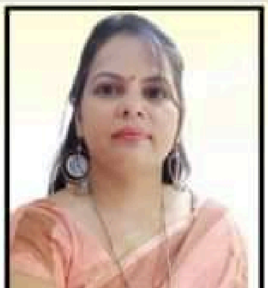

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

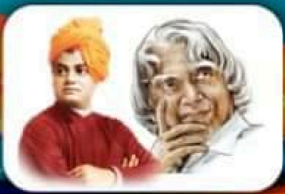

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 09.03.2022 **4151** दिन- बुधवार

आजादी नारी की

मैं आजाद हूँ बहुत ख्यालों से अपने,
पर इन ख्यालों को कोई समझे तो जरा।
भूल जाती हूँ सीमाएँ मैं अपनी कभी-कभी,
उन सीमाओं से पार भी कोई भेजे तो जरा।।

है बदलाव का जमाना फिर भी है क्यूँ ऐसा,
स्वावलम्बी बनाकर कोई सहेजे तो जरा।
हैवानों की इस नगरी का कभी अन्त तो हो,
दूर हो सकें हर खौफ के अँधेरे तो जरा।।

इंसानियत का जज्बा हो जाये हर किसी में,
खौफ और भय की जंजीरे कोई तोड़े तो जरा।
वैसे तो उड़ सकती हो तुम बहुत ही ऊँचाई तक,
बस डोर किसी पुरुष के हाथ दे दो तो जरा।।

क्या कहते हैं इसी को "आजादी नारी की",
स्वाभिमान के लिए जो मुँह खोले न जरा।।

रचना
पारुल चौधरी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० हरचन्दपुर
खेकड़ा, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

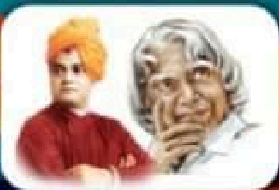

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 09.03.2022 **4152** दिन- बुधवार

नारी

जग को जीवन देने वाली,
शक्ति का दूजा नाम हूँ मैं।
फूल सी कोमल काया मेरी,
पर वक्त पड़े चिंगारी हूँ मैं।।

रिश्ते रस्मों को सँवारती,
कई ऋणों को हूँ उतारती।
लाख लगाओ चाहे बन्दिशें,
फिर भी अपनी जगह बनाती।।

मैं ही काली, मैं ही दुर्गा,
लक्ष्मी और अहिल्या भी मैं।
साथ खड़ी हूँ मैं पुरुषों के,
नहीं हटूँगी अब पीछे मैं।।

सशक्त हूँ, परिपूर्ण हूँ,
कमजोर नहीं मैं नारी हूँ।
सृजन करती नवजीवन का,
श्रृष्टि का आधार हूँ मैं।।

रचना-
लक्ष्मी चन्द्रवाल (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० ईड़ाबधाणी
कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

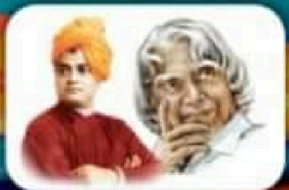

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 09/03/2022 **4153** दिन- बुधवार

है हमसे शक्ति....

तर्ज- तुम्हारी नजरों में हमने देखा...

है हमसे शक्ति, हम्हीं से भक्ति,
हम ही से दुनिया चहक रही है।
आधार जीवन का है हम्हीं से,
हम्हीं से कलियाँ महक रही हैं।।

तू ही है सीता तू दुर्गा काली,
ये सृष्टि तुझसे ही पल रही है।
जहान सारा किया है रोशन,
तू सारे रिश्ते निभा रही है।।

क्यों छीनते हो खुशी हमारी,
कदम मिलाकर जरा तो देखो।
न अब सहेंगे सितम कोई भी,
ये आग दिल में दहक रही है।।

माँ बनके ममता लुटाते हरदम,
बन संगिनी सहते संग हर गम।
वजूद भाई का है बहन से,
अजन्मी बेटी ये कह रही है।।

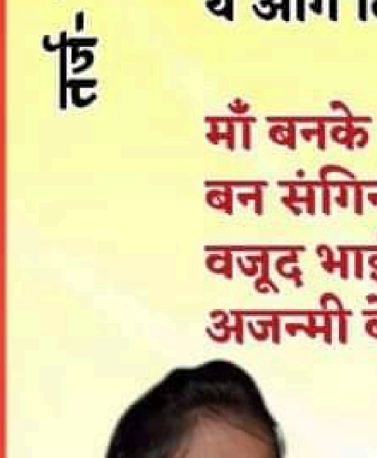

रचना- ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 09.03.2022 **4154** दिन- बुधवार

छुपन-छुपाई

बहुत हुआ लूडो और कैरम,
अब हो जाए छुपन-छुपाई।
आओ सब मिलकर खेलें,
इसमें बड़ा मजा है भाई।।

राजू , मोहन और शिवा,
सीता, गीता, मुन्नी आई।
राजू लाया भोला को,
उसके साथ में आया साँई।।

पहले राजू बन गया चोर,
उसने एक दो तीन गिना।
इधर-उधर छुप गए सारे,
कोई भी उसे दिखा ना।।

छत पर कोई खाट के पीछे,
कोई छुपा जहाँ बैठी अम्मा।
एक-एक कर सब ढूंढे,
पर कहीं मिला शिवा ना।।

चुपके शिवा भागकर आया,
करके धप्पा मचाया शोर।
सारे बच्चे लगे थे हँसने,
राजू बन गया फिर से चोर।।

रचना
अनुपमा यादव (स०अ०)
प्रा० वि० जिरसमी प्रथम
शीतलपुर, एटा

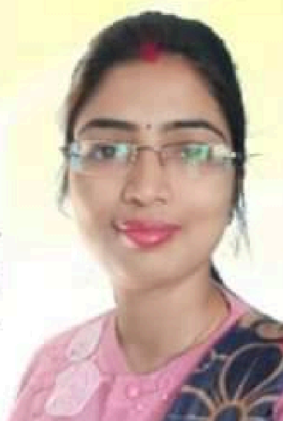

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

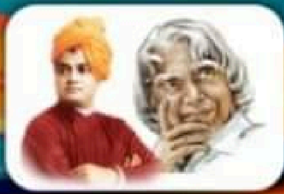

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 09/03/2022 **4155** दिन- बुधवार

हाँ! गर्व है मुझे मैं नारी हूँ

नारी, जननी, जीवन हूँ मैं,
जीवन्त, सशक्त, साकार भी मैं।
नदी सी चञ्चल, आँचल नभ सा,
हकीकत जिन्दगी की हूँ मैं।।

कहीं बहन, कहीं ममता की मूरत,
कहीं पिता सी छाया हूँ मैं।
छिपाकर हर दर्द और गम को ,
हसरत कोई होठों पर न लाई मैं।।

महादेवी, लक्ष्मीबाई, मदर टेरेसा,
कल्पना, सुनीता, सिन्धु ताई भी मैं।
दर्पण हूँ मैं कहीं तो अक्स भी हूँ,
लाख बन्दिशों में आजाद पंछी-सी मैं।

कौन कहता नाजुक अबला हूँ मैं?
जुल्म के खिलाफ फौलाद हूँ मैं।
त्याग, समर्पण, प्यार की मूरत भी मैं,
हाँ! गर्व है मुझे मैं नारी हूँ,
हाँ! गर्व है मुझे मैं नारी हूँ।।

रचना-:
सुनीता भटनागर
रा० प्रा० वि० पनिया मेहता
भीमताल, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 09-03-2022 4156 दिन- बुधवार

गर्मी आयी

पीछे छूटे स्वेटर, रजाई,
गर्मी आयी, गर्मी आयी।
बाहर निकलें, निकाले दम,
सूरज ने भी आग लगायी।।

पहनो कपड़ा ढक लो तन,
लू पसीना संग है लायी।
बाहर न निकलो नंगे बदन,
जोरों से मम्मी चिल्लाई।।

गर्मी में भी करें ऊधम,
हुई परीक्षा, छुट्टी है आयी।
खरबूजा, तरबूज खायें हम,
नानी के घर जा मौज मनायी।।

भागो गर्मी अब तो बस,
खायें कुल्फी, पियें ठण्डाई।
मस्ती मिलकर करें सब,
आम, आड़ू, लीची है लायी।।

रचना
सायमा अख्तर (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मीरगंज
मीरगंज, बरेली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

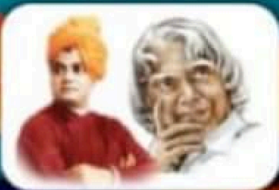

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 10/03/2022 **4157** दिन- गुरुवार

तन से मैं कमजोर सही,
पर मन से मैं कमजोर नहीं।
मत समझो अबला, बेचारी,
मैं हूँ नारी, मैं हूँ नारी।।

बाहर निकलूँ या परिवार सम्भालूँ,
जीत है मेरी, हार नहीं।
पायल, बिछिया शौक हैं मेरे,
पर बेड़ी स्वीकार नहीं।।

मेरी लड़ाई मुझसे ही है,
पुरुषों से कोई बैर नहीं।
पर जिसने कदमों को रोका,
फिर तो उसकी खैर नहीं।।

प्रेम में सब कुछ करूँ समर्पित,
खुशी मिले, सन्ताप नहीं।
ना कहना अधिकार है मेरा,
समझो इसको अपराध नहीं।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
स्नेह लता (स०अ०)
क० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

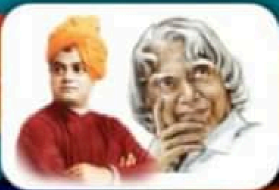

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 10.03.2022

4158

दिन-गुरुवार

मैं हूँ गौरैया....

आओ सुनाऊँ बच्चों एक कहानी,
मैं हूँ तुम्हारी प्यारी गौरैया रानी।
भोर की चिरैया हूँ मैं गौरैया,
गाँव की चौपाल में चहकती गौरैया।।

तुम्हारे घर के किसी खोखले में,
रहती थी मैं एक घोंसले में।
दाना-पानी हर कहीं मिलता,
मेरे चहचहाने से हर दिल खिलता।।

पर अस्तित्व हुआ मेरा खतरे में,
जब से प्रदूषण हुआ तुम्हारे शहर में।
ज्यादा ताप न सह पाऊँ मैं,
रेडिएशन के बीच न रह पाऊँ मैं।।

20 मार्च, गौरैया दिवस पर प्रण करो,
प्रदूषण, रेडिएशन को कम करो।
मुझे बचा लो इस दुनिया में,
रह न जाऊँ कहीं बस स्मृतियों में।।

रचना

आरती वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० रेवा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- **10/03/2022** **4159** दिन- **गुरुवार**

धैर्य का मन्त्र

ना करो इतनी शीघ्रता बन्धु,
थोड़ा धैर्य से हर काम करो।
आतुरता से हर काम बिगड़ता,
यह बात जरा तुम मान लो।।

नहीं आसान कार्य कोई भी,
जो पल भर में ही हो जाये।
एकाग्रता, संयम और परिश्रम,
से सारे काम सफल हो जायें।।

पेड़-पौधों को भी बढ़ने में,
वर्षों, कई मौसम लग जाते हैं।
धीरे-धीरे सींचकर मजबूत बनते,
फिर फूल के बाद फल आते हैं।।

होता नहीं कुछ भी असम्भव,
बस जरा सब्र से काम लो।
हो जाते सब काम सफल बन्धु,
जरा धीर तुम मन में बाँध लो।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना(1-8)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

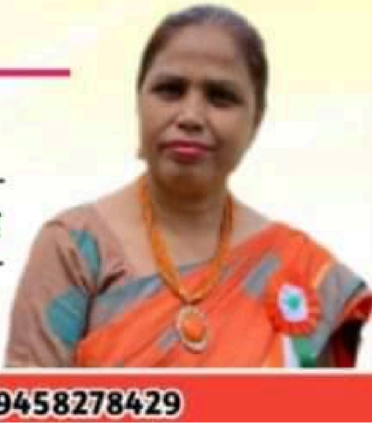

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 09/03/2022 **4160** दिन- गुरुवार

नारी

हे! भारत की सबला नारी,
और पढ़ो तुम और पढ़ो।
यह दुनिया संघर्ष सरीखी,
और लड़ो तुम और लड़ो।।

बैठी रही जो चुप्पी साधे,
जुल्म और बढ़ जाएगा।
नित्य-निरन्तर प्रहारों से,
घायल मन कर जाएगा।
रणचन्डी बन दानव दल से,
और लड़ो तुम और लड़ो।।

सुनी कभी तो तुमने होगी,
गाथा लक्ष्मीबाई की।
खूब लड़ी जो अंग्रेजों से,
मर्दानी लक्ष्मीबाई की।
खातिर अपने आन-बान की,
और लड़ो तुम और लड़ो।।

भूल गयीं क्या तुमने ही तो,
पर्वत को ललकारा था।
उठा पताका पर्वतारोही,
किया जगत उजियारा था।
झुक जाता है यह अम्बर भी,
और बढ़ो तुम और बढ़ो।

रचना -
राजवीर सिंह 'तरंग' (प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8) सिलहरी
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

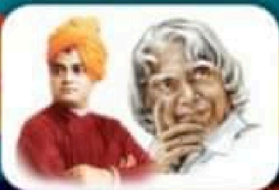

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 10-03-2022 **4161** दिन- गुरुवार

खेलें होली झूमकर

जो-जो हो लिया,
वो तो हो ही लिया।
वर्तमान में जो जी लिया,
उसने मन मोह लिया।।

ऐसा-वैसा भूलकर,
रहें हिल-मिलकर।
जिन्दगी के खेल में,
खेलें होली झूमकर।।

अपना रंग दमका लें,
तन-मन चमका लें।
पुष्प रंगों से लें ऊर्जा,
सफल हो तेरी पूजा।।

रंग चिकित्सा कर लें,
रंगोत्सव मना लें रे।
अपने पसन्द के रंगों से,
जीवन को सजा लें रे।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि० वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

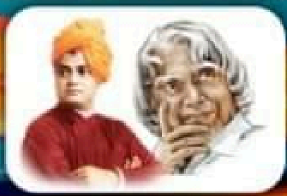

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 10.03.2022 **4162** दिन- गुरुवार

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

अति गौरवमय दिन विश्व का यह,
मार्च आठ की तारीख महान।
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस नाम देकर,
जग देता इस तिथि को भव्य सम्मान।।

महिला, तुम महा इला हो सचमुच,
इस वसुन्धरा पर ईश्वर का रूप धरती हो।
अनन्त रिश्ते-नाते देकर जगत को,
पुरुष का पौरुष उज्ज्वल करती हो।।

न्याय, करुणा, ममता, समता,
गुण अनेक तुम में महान।
जननी, भगिनी, पुत्री बनकर,
जड़वत् जीवन को करती गतिमान।।

सभ्य समाज सदैव ही करता-कहता,
लेडीज फस्ट, महिला को दो पहला मान।
नमन कोटि-कोटि हे जीवनदायिनी तुम्हें,
धन्य नारी शक्ति सौन्दर्य समर्पण सम्मान।।

रचना
दीवान सिंह कठायत (प्र०अ०)
रा० आ० प्रा० वि० उडियारी
वि० ख० बेरीनाग पिथौरागढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

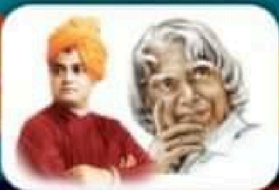

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 10.03.2022 **4163** दिन- गुरुवार

मेरे पापा

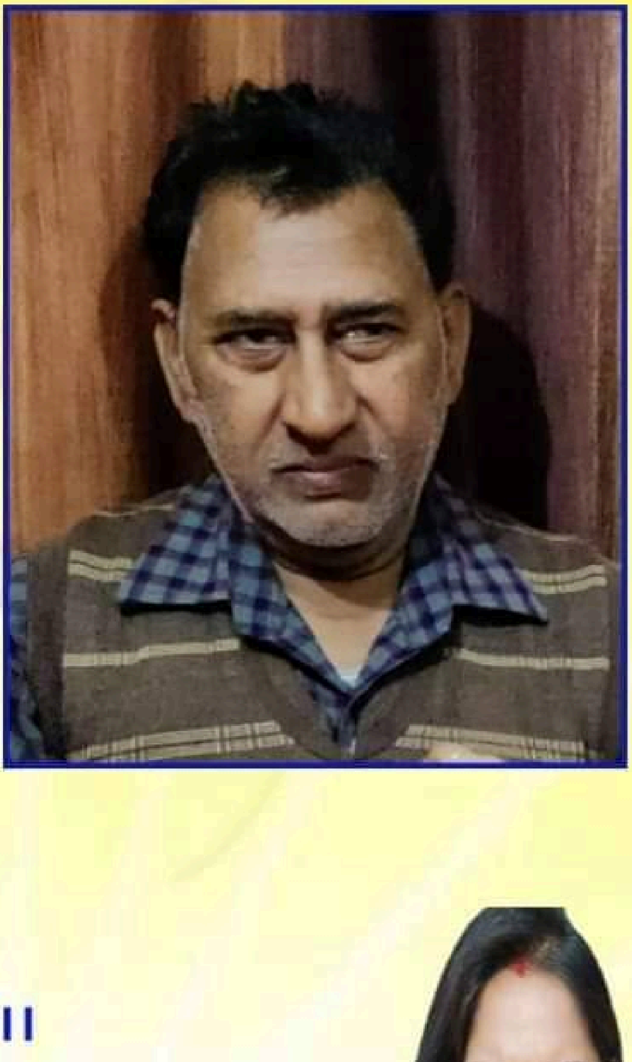

जब भी मैं हारने लगती,
पापा मुझे परी कह देते हैं।
यूँ ही सब हो जाएगा,
बस यही कह देते हैं।।

परीक्षा में उत्तर भूल जाती,
घर आकर रोने लग जाती।
पास हो जाएगी ना पूछते,
बस ठीक है यही कह देते हैं।।

मनपसंद हर चीज दिला देते हैं,
जब भी रोऊँ हँसा देते हैं।
दिखाते नहीं हैं रोज प्यार,
वक्त पर हौसला बढ़ा देते हैं।।

मेरी हर कहानी का किरदार होते हैं,
मेरे लिए हर जगह हर बार होते हैं।।
कदम जब भी डगमगाए मेरे,
सम्भालने को हरदम खड़े तैयार होते हैं।।

रचना
गुंजन शर्मा (स०अ०)
प्रा०वि०जिरसमी प्रथम
शीतलपुर, एटा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

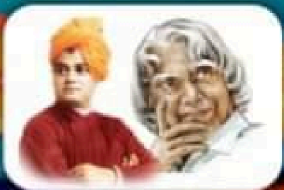

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 11/03/2022 **4164** दिन- शुक्रवार

आँधी आयी...

जोर-जोर से आँधी आयी,
संग में बरखा लेकर आयी।
दिन भर बूँदे गिरीं निरन्तर,
गन्ने, धान बिछे हैं गिरकर।।

रुकी हो जैसे जीवन धारा,
चिन्ताओं ने है पाँव पसारा।
आकुल मन है ऐसा लखकर,
मिटती आशा बिखर-बिखर कर।।

मेघों का भी होता गर्जन है,
संग-साथ में चपल पवन है।
कितना मौसम लगता निष्ठुर!
बादल सरपट जाते ऊपर।।

ठण्डी-ठण्डी वात अभी की,
ठहरी जैसे राह सभी की।
वर्षा होती रही है दिनभर,
बैठे पक्षी कोटर छिपकर।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

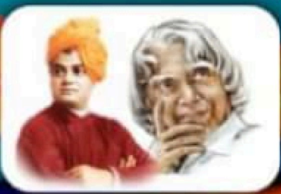

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 11.03.2022 **4165** दिन- शुक्रवार

कड़वा सच

जिस घर में जन्म ले बेटी,
वो घर पावन हो जाता है।
जिस आँगन में खेले बेटी,
वो खुशियों से भर जाता है।।

जिसने ये सच जान लिया,
वो करुणा से भर जाता है।
जो बेटी को माने अभिशाप,
वो क्रूर हृदय कहलाता है।।

कुछ समझे बेटी आयी तो,
संग में खर्चा ले आयी है।
जबकि बेटी के रूप में तो,
खुद लक्ष्मी घर में आयी है।।

माना बहुत परिवर्तन है,
पर अभी सुधार बाकी है।
बेटे के बराबर है बेटी,
सब ने ये बात न आँकी है।।

रचना- रीना काकरान (स०अ०)
प्रा० वि० सालेहनगर
जानी, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

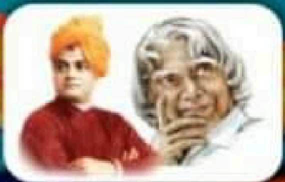

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/03/2022 **4166** दिन- शुक्रवार

नारी की पुकार

सुन्दर मन है सुन्दर काया,
इससे जीवन बनता आया।
साथ चले है बनके साया,
फिर भी कहते धन है पराया।।

आशा, उम्मीद, अभिलाषा है,
अपनेपन की परिभाषा है।
हर नारी कहती अब पुकार के,
बन्द करो कृत्य दुराचार के।।

हर मोड़ पे एक आह सिसकती,
हर नारी अस्मत के लिए लड़ती।
कोमल है पर कमजोर नहीं,
बस अब और अत्याचार नहीं।।

अब राम, कृष्ण की न करें आस,
स्वयं पर करें अब हम विश्वास।
सीता उठाये अब खुद हथियार,
बनाये खुद के लिए सुरक्षित संसार।।

रचना

रीना (प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय सेमरीडांड
म्योरपुर, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

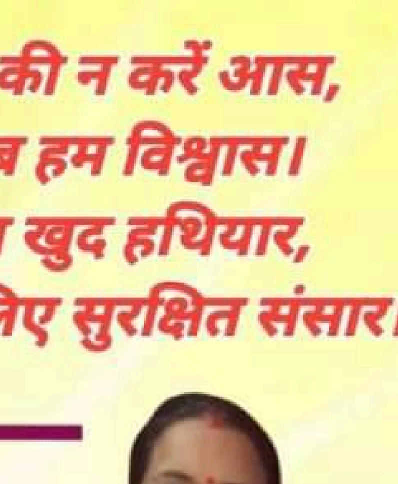

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

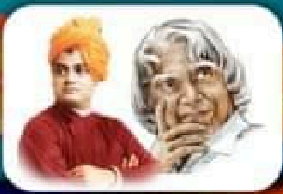

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 11.03.2022 **4167** दिन- शुक्रवार

माँ की ममता

माँ तू क्यों रोती है?
तू क्यों मुझसे रूठी है।
मुझे याद हैं वो रातें,
मुझे याद हैं वो बातें।।

लोरी गाकर तू सुलाती थी,
थपकी देकर दूध पिलाती थी।
माँ मेरे दुःख में तू जगती थी,
मेरा हर गम तू सहती थी।।

माँ तूने मुझको जन्म दिया,
तूने इतना भारी कष्ट सहा।
मुझे पाल-पोसकर बड़ा किया,
अपने पैरों पर खड़ा किया।।

माँ मैं नहीं भूलूँगा ये बातें,
बड़े नसीब से तेरा साथ मिला।
तेरी दुआओं का हार मिला,
कितना अच्छा संस्कार मिला।।

रचना
अशोक अन्तिल (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सु० हटाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 11-03-2022 **4168** दिन- शुक्रवार

होली आयी

होली आयी, होली आयी,
ऋतु फागुन की देखो आयी।
माँ देखो पिचकारी लायी,
मन में मेरे खुशियाँ छायी।।

भर पिचकारी रंग उड़ाया,
सबके ऊपर खूब गिराया।
संग सहेली गुलाल लगाया,
नीला, काला भूत बनाया।।

देख-देख कर मन हर्षाया,
इक-दूजे को पहचान न पाया।
गाना-बजाया नाच-दिखाया,
गिले-शिकवे को आज भुलाया।।

घर-घर जाकर रंग लगाया,
सब सखियों को गले लगाया।
ठंडाई, कांजी-वड़ा पिलाया,
गुजिया खाकर त्यौहार मनाया।।

रचना

अनुपमा जैन (स०अ०)
उ० प्रा० वि० मौहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

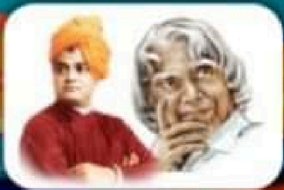

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 11-03-2022 **4169** दिन- शुक्रवार

होली में

फागुन के रंग अंग-अंग में उमंग धारि,
झलकैं सबै मस्त-मस्त मुख बोली में।
बड़े औ बुजुर्ग गावैं फाग लइ ढोलक संग,
लरिकन कै झुण्ड साथ चलइँ सब टोली में॥

बीत गयो माघ का महीना गयो भाग जाड़ो,
धरती की चूनर सी छायो बसन्त है।
आय गयो फागुन का माह झूमे तन-मन औ,
गंगा जी के जल से नहायो अरिहन्त है॥

मस्तक औ गाल लाल-पीले सुहायँ खूब,
चन्दन, अबीर औ गुलाल संग रोली में।
गला एक होय तो मिलेंगे सब प्रेम से पै,
दो गले बताओ कइसे मिलैं आज होली में॥

फगुनी बयार मस्त-मस्त अंग-अंग आज,
छायी है उदासी जाके आयो न कन्त है।
बिरवन की डारन में कोमल सी कोपल औ,
टेसू की लाली वन छायो अनन्त है॥

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
रामचन्द्र सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० जगजीवनपुर-2
ऐरायां, फतेहपुर

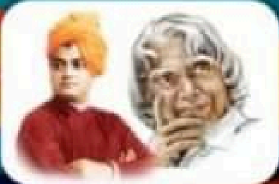

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 11/03/2022 4170 दिन- शुक्रवार

नारी शक्ति

भिन्न-भिन्न रूप हैं नारी तेरे,
तू परमशक्ति स्वरूप है।
कभी दुर्गा तो कभी काली तू,
कभी रूप सौम्य अनूप है।।

अब दुर्बल, निर्बल, लाचार नहीं तू,
बल, बुद्धि, शक्ति से परिपूर्ण है।
आश्रित नहीं अब किसी पर तू,
स्वयं में ही तू सम्पूर्ण है।।

माँ के स्वरूप में होती है जब,
तो तू शीतल ठण्डी छाया है।
बात हो जब दानव दलन की,
तो बन जाती प्रचण्ड काया है।।

चहारदीवारी का बंधन तोड़,
तू बनी आधुनिक युग निर्माता है ।
पहचान बस अपनी शक्ति को,
हर क्षेत्र में तेरा परचम लहराता है।।

रचना-
स्वाति गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि०(1-8)नाई
जगत, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

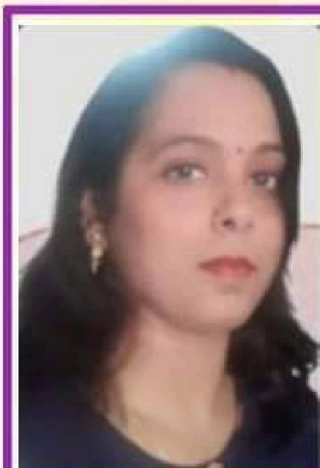

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

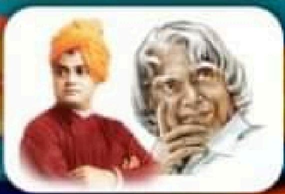

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 11.03.2022 **4171** दिन- शुक्रवार

काव्य

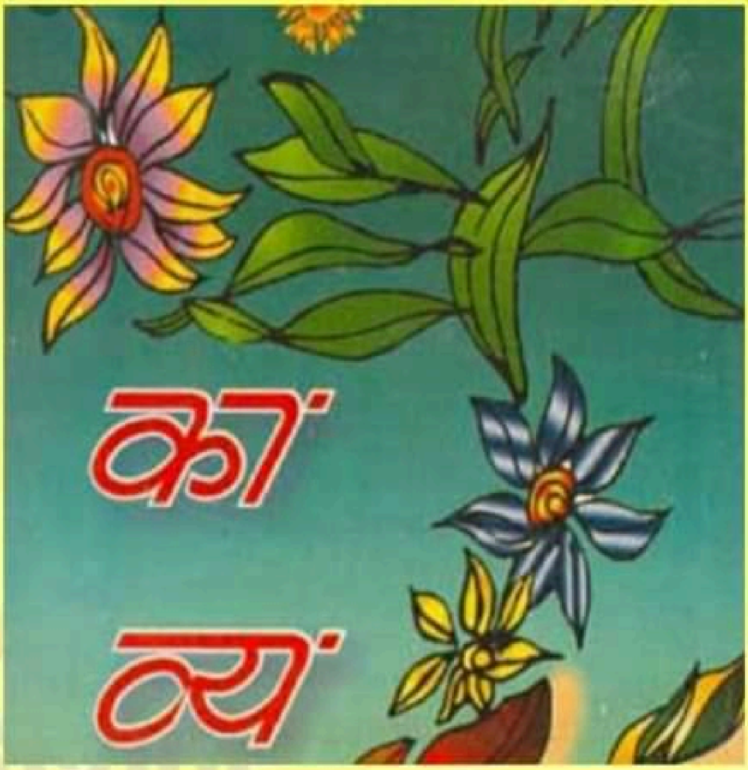

अन्धकार को दूर करे,
जग में फैले उजियारा।
काव्य प्रेरणा स्रोत है,
हमको लगता प्यारा।।

मन को यह अति भाती है,
मन-मष्तिष्क में छप जाती है।
कविता यदि जीवन में हो,
पथ सरल बना जाती है।।

कविता मेरे जीवन में,
करवाती एक एहसास।
कविता से ही जीवन में,
होता है एक विश्वास।।

कलम तब ताकत बन जाती,
शब्दों को जब सरल बनाती।
नश्वर संसार में कविता,
जीवन को साकार कराती।।

रचना
प्रकाश बड़वाल (स०अ०)
रा० प्रा० वि० मुसाढुंग
जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

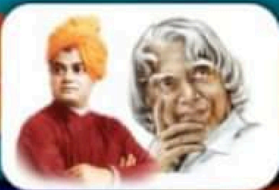

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-12/03/2022 **4172** दिन- शनिवार

चन्दू और नन्दू

चन्दू नाम का एक था बच्चा,
वो बच्चा था बहुत शैतान।
नहीं मानता कभी वो कहना,
करता उल्टे-सीधे काम।।

उसे जो कोई काम बताएँ,
करता उसे बहुत परेशान।
सुबह-सवेरे उठे न जल्दी,
सोता रहता चादर तान।।

भाई एक था उसका नन्दू,
वो था बहुत ही अच्छा बच्चा।
मात-पिता का कहना माने,
शैतानी करना ना जाने।।

सुबह-सवेरे जल्दी उठता,
मात-पिता को करे प्रणाम।
विद्यालय जाता, नहाता-धोता,
करता नित ही वो व्यायाम।।

रचना-
रामकुमारी (स०अ०)
प्रा० वि० खालिदपुर- 2
मवाना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

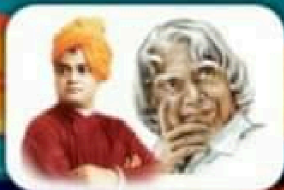

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/03/2022 **4173** दिन- शनिवार

कमल का फूल

वनस्पति जगत का है यह पौधा,
पानी में खिलता है यह पौधा।
ऊपर उगता नीचे गदला जल,
फ़ारसी नाम नीलोफर कहते कमल।।

भारत का है यह राष्ट्रीय पुष्प,
सरोज, जलज, उत्पल, अम्बुज।
वारिज, नलिन, नीरज, जलजात,
बहुत बड़े होते इसके सारे पात।।

वैज्ञानिक नाम है निलम्बियन न्यूसिफेरा,
सफेद-गुलाबी रंग है अलबेला।
पत्ते होते हैं गोल-ढाल जैसे,
कपड़ा भी बनता है इसके रेशे से।।

तने होते हैं लम्बे, सीधे, खोखले,
पानी में रहते कीचड़ के नीचे।
तने की गाँठ पर होती हैं जड़ें,
फूल होते हैं सुन्दर और बड़े-बड़े।।

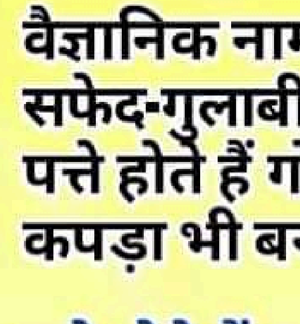

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

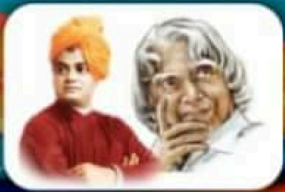

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/03/2022 **4174** दिन- शनिवार

महाराजा सूरजमल
(भाग- 3)

शासन की बागडोर पिता बदन सिंह,
सूरजमल को सौंपकर हरषाये।
रियासत की सुरक्षा और विस्तारकर,
वीर पुत्र ने पराक्रम दिखलाये।।

गाजियाबाद, रोहतक, झज्जर के इलाके,
जीते, साहस का परिचय दिया।
नवाब गाजीउद्दीन के भड़काने पर,
'कुम्हेर-किला' मराठों ने घेर लिया।।

1754 में विषम परिस्थितियों में,
महारानी किशोरी ने मदद की थी।
मराठाओं और सूरजमल में सन्धि,
सिन्धियाओं से मिल करवायी थी।।

राजा सूरजमल हिन्दुस्तान के,
सबसे शक्तिशाली शासक थे।
इनकी सेना में पन्द्रह सौ घुड़सवार,
पच्चीस हजार, पैदल सैनिक थे।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० ख० व जिला- मथुरा

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 12-03-2022 **4175** दिन- शनिवार

चिड़िया रानी

चिड़िया रानी, चिड़िया रानी,
करती हो तुम क्यों मनमानी?
सुबह-सवेरे चूँ-चें गाती,
गाना गाकर मुझे जगाती।।

दाना खाकर, पानी पीकर,
खुश होकर के तुम इतरातीं।
मुझे तुम्हारी मस्ती भाती,
लेकिन मैं क्यूँ नहीं उड़ पाती?

चिड़िया रानी, चिड़िया रानी,
नहीं करो तुम अब मनमानी।
बिस्कुट खाकर तुम उड़ जाओ,
लीची खाओ तो रुक जाओ।।

दूध मलाई खाओ न,
खाकर तुम उड़ जाओ न।
मुझे अभी है निन्नी आयी,
लेनी हैं कुछ और अंगड़ायी।।

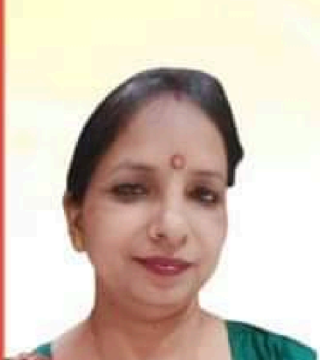

रचना

पूनम सारस्वत (स०अ०)
एकीकृत विद्यालय रुपानगला,
खैर, अलीगढ़

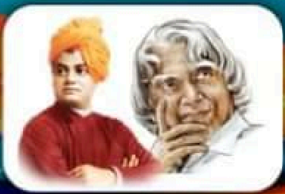

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 12.03.2022

4176

दिन- शनिवार

हमारी पाठ्य पुस्तकें

कलरव-कलरव चिड़ियाँ चहकें,
किसलय सा कोमल मन महके।
पँखुड़ियों से पल्लवित हों वृक्ष-लता,
फुलवारी, वाटिका हर आँगन महके।।

संस्कृत सब भाषाओं की जननी,
सिखाये धर्म-संस्कृति, वेद-पुराण।
पढ़ संस्कृत पीयूषम्, सुधा, सुबोध,
सीखें संस्कृत का बेसिक ज्ञान।।

गिन-गिन-गिन गिने गिनतारा,
अंकों के जादू से बनें महान।
अंक जगत, गणित ज्ञान से,
प्राप्त करें व्यावहारिक ज्ञान।।

अपनाओ बोलचाल में इंग्लिश,
Rainbow बन नभ में छा जाओ।
Spring, petals पढ़कर क्लास में,
आगामी जीवन की राह बनाओ।।

हमारे आसपास है क्या-क्या?
हमारा परिवेश हमें सिखाये।
पर्यावरण की करके सुरक्षा,
प्रकृति को हम सुन्दर बनायें।

रचना
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

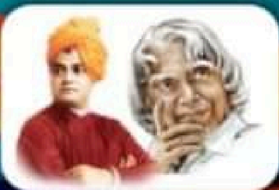

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/03/2022 **4177** दिन- शनिवार

सैनिक

मैं सरहद पर जाऊँगा,
जब सैनिक बन जाऊँगा।
देश की खातिर जी कर,
सच्चा सैनिक कहलाऊँगा।।

चढ़ जाऊँगा ऊँचे पर्वत,
सब बाधा पार हो जाऊँगा।
प्राणों का मोह छोड़कर,
रण में कूद जाऊँगा।।

शत्रु भले हो बलशाली,
चट्टान सा अड़ जाऊँगा।
जान जाए तो जाए,
पर पीठ नहीं दिखाऊँगा।।

सर्दी, गर्मी, हो बरसात,
सब सहन कर जाऊँगा।
दुश्मन को मार गिराकर,
विजय पताका फहराऊँगा।।

रचना-
मनीष त्रिवेदी (स०अ०)
प्रा० वि० हमीरपुर
ब्लॉक- रसूलाबाद, कानपुर देहात

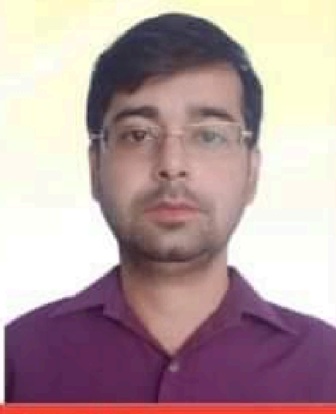

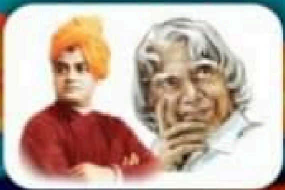

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/03/2022 **4178** दिन-शनिवार

नारी शक्ति

हे नारी! तुम धरती हो,
दु:ख-दर्द, घाव और पीड़ा को।
हृदय भाव और वेदना को,
सब हँसकर तुम सहती हो।।

तुम श्रद्धा का नवल रुप हो,
ममता का अविरल स्वरूप हो।
जीवन की सूखी धरती को,
हरा-भरा तुम रखती हो।।

तुम सीता हो, तुम राधा हो,
तुम ही मीराबाई हो।
लक्ष्मी और अहिल्या की,
तुम ही तो परछाई हो।।

दुर्गा, काली और सती का,
रौद्र रूप तुम रखती हो।
हृदय भाव और वेदना को,
सब हँसकर तुम सहती हो।।

रचना

योगिनी श्रीवास्तव (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय गुरमुरा
चोपन, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान!

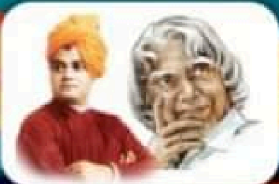

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/03/2022 **4179** दिन- शनिवार

निकलो तो सही...

सब कुछ मिल जायेगा,
जरा तुम चलो तो सही।
आगे रास्ता पाने के लिये,
घर से निकलो तो सही।।

हिम्मत है तो सब कुछ है,
थोड़ी सी करो तो सही।
तूफान भी मुड़ जायेंगे,
इनसे तुम लड़ो तो सही।।

पूरा आसमान तुम्हारा है,
पंख फैलाकर उड़ो तो सही।
मंजिल भी मिल जायेगी,
मेहनत तुम करो तो सही।।

हालात चाहे कैसे भी हों,
धैर्य से इनसे लड़ो तो सही।
लक्ष्य भी हासिल हो जाएगा,
अर्जुन- सा तुम बनो तो सही।।

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी नवीन,
मिश्रिख, सीतापुर

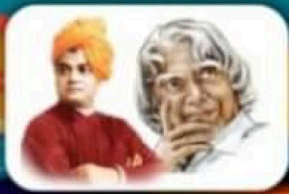

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 14/03/2022 **4180** दिन- सोमवार

दिन पढ़ने के लिए आये

जमकर करो पढ़ाई बच्चों,
दिन पढ़ने के आये हैं।
मेहनत करने वालों ने,
गीत विजय के गाये हैं।।

जो करते हैं आलस बच्चों,
वो ही पीछे पछताये हैं।
जमकर करो पढ़ाई बच्चों,
दिन पढ़ने के आये हैं।।

पढ़ने लिखने वाले ही,
सारी दुनिया में छाए हैं।
ज्ञान-कर्म के संगम से,
दुनिया को स्वर्ग बनाये हैं।।

पढ़ने-लिखने वालों ने ही,
मानवीय मूल्य सिखाये हैं।
जमकर करो पढ़ाई बच्चों,
दिन पढ़ने के आये हैं।।

रचना:-
नर्मदा कौशल (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० जसपुर
चम्बा, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-14.03.2022 **4181** दिन-सोमवार

नम आज नयन, मन ...

मेरी बगिया की कलियों तुम,
हर पल महको, मुसकाओ।
बनकर तुम चमको चन्दा,
कण-कण में यश बिखराओ।।

तुम रहो जहाँ भी, जैसे,
अपनी खुशबू फैलाना।
जाते हो इस आँगन से,
कुछ बनकर वापस आना।।

भूलेंगे कभी ना हम सब,
वो भोले, प्यारे पल-छिन।
जो दिन हैं बिताये तुम संग,
सब सूने होंगे तुम बिन।।

विद्यालय में शोभा तो,
बस तुम बच्चों से रहती।
सूना हो जायेगा आँगन,
अब हर धड़कन ये कहती।।

भावुक क्षण, पलकें भीगीं,
नम आज नयन, मन सबके।
है हम सबकी अभिलाषा,
जलना तुम दीपक बनके।।

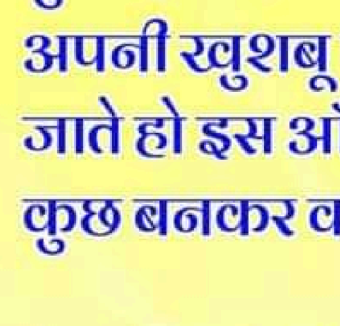

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 14-03-2022 **4182** दिन- सोमवार

होली

होली का त्यौहार अनोखा,
बच्चों आया जानकर।
फूल, अबीर, गुलाल संग तुम,
इसे मनाओ हर्ष भर।।

नादानी तुम कभी न करना,
कीचड़, पत्थर न मारना।
एक-दूजे से गले लगो,
फाँगें सुन-सुन कर नाचना।

घर का कूड़ा-करकट सारा,
मन-विकार संग फेंकना।
देना जला उसे होली में,
किसी से न तुम एँठना।।

पावन, परम पुनीत भाव रख,
उर में सदा समेटना।
रख समभाव सभी से मन उर,
सबसे हिल-मिल खेलना।।

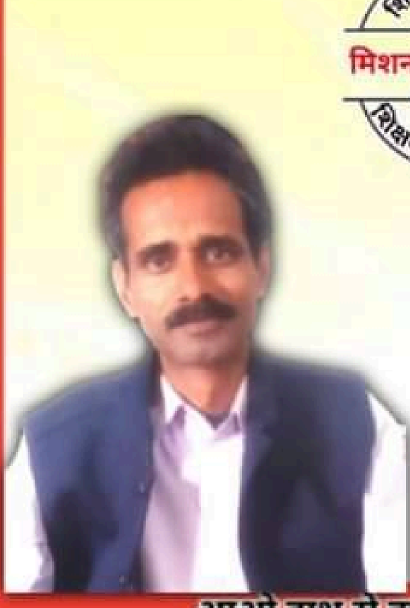

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्राथमिक विद्यालय बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

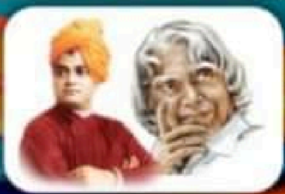

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 14-03-2022 | **4183** | दिन- सोमवार

नारी नहीं बेचारी

प्यार लुटाती ममता लुटाती,
लगती माँ सुन्दर और प्यारी।
बेटी बन बगिया महकाये,
और चिड़िया बन घर को चकहाये।।

ख्वाहिशों को भी कर देती कुर्बान,
नवजीवन को भी देती प्राण।
इसके अस्तित्व के बिना सब हैं निराधार,
जैसा चाहे घर को दे दे आकार।।

अबला नहीं सबला है नारी,
बन्धनों में भी लगती कितनी प्यारी।
लेकिन सब्र का जब बाँध टूटे,
पडतीं नारी सब पर भारी।।

फूलों जैसी कोमल नारी,
काँटो जितनी कठोर भी नारी।
ममता की मूरत है नारी,
त्याग की भी सूरत है नारी।।

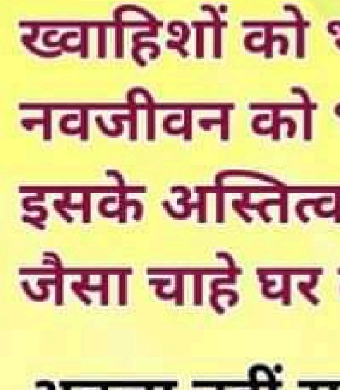

रचना
ब्रजेश सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० बीठना, लोधा
अलीगढ़

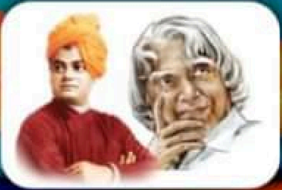

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 14-03-2022 **4184** दिन- सोमवार

तोता

हरा-हरा तोता हूँ,
डाल पर बैठा हूँ।
लाल मिर्च खाता हूँ,
स्पष्ट रूप से बोलता हूँ।।

'फ' से फल लाता हूँ,
चोंच से उसे काटता हूँ।
अच्छी-अच्छी बात,
बोलकर दिखाता हूँ।।

'त' से तोता मुझे कहते हैं,
प्यार से मिठ्ठू बोलते हैं।
घर में आने वाले को,
नमस्कार करना सिखाते हैं।।

रोज सुबह उठ जाता हूँ,
बड़ो की बात मानता हूँ।
'र' अक्षर से पढ़ता हूँ,
राम-राम रटता हूँ।।

रचना
सुमन कुशवाहा (प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- भगवानपुर
नेवादा, कौशाम्बी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

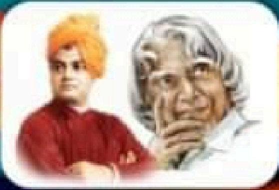

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-15.03.2022 **4185** दिन मंगलवार

"इ" की मात्रा

दिन निकला, निकला दिनकर,
चाँद छिप गया, मिटा तिमिर।
रवि किरण बिखराता प्रतिदिन,
चिड़िया तिनका लायी बीनकर।।

नितिन, विनय, कविता सब आओ,
संग किताब, टिफिन सब लाओ।
हिल-मिलकर विद्यालय जाओ,
महिला, बिटिया सब शिक्षा पाओ।।

साइकिल पर कल निर्मल निकला,
राह मिला नटखट एक बिल्ला।
आँख दिखा कर गति बढ़ायी,
पिछला पहिया फिर पिचका भाई।।

मालिन बगिया से लायी कलियाँ,
किशमिश खाता था एक बनिया।
किसान मिर्चा धनिया लाता,
हलवाई नित दिन मिठाई बनाता।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना

रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुन नगर
खैराबाद, सीतापुर

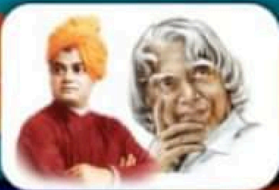

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-15/03/2022 **4186** दिन- मंगलवार

अपना भाग्य

पल दो पल का साथ नहीं,
ये जीवन भर का साथ है।
अपना भाग्य बनाना खुद,
हम सबके ही हाथ है।।

जन्म-मरण, यश-अपयश,
सब विधाता के हाथ है।
अपना भाग्य बनाना खुद,
हम सबके ही हाथ है।।

मिलता है भाग्य से बहुत कुछ,
पर जब मेहनत भी साथ है।
अपना भाग्य बनाना खुद,
हम सबके ही हाथ है।।

नहीं रुक सकता उदय सूर्य का,
कितनी ही लम्बी रात है।
अपना भाग्य बनाना खुद,
हम सबके ही हाथ है।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर,
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

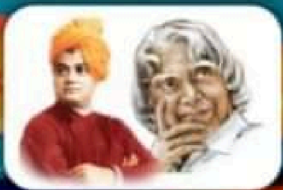

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15-03-2022 **4187** दिन- मंगलवार

मधुर वाणी

होता जब संवाद किसी से,
दु:ख और हँसी उसी का हिस्सा।
सतर्क रहें लेकिन हम सब,
सबसे बुरी चीज है गुस्सा।।

जब भी बोलें, ऐसे बोलें,
जैसे मुख से फूल झरें।
हँसी-खुशी और दु:ख-दर्द के,
किस्सों की जब बात करें।।

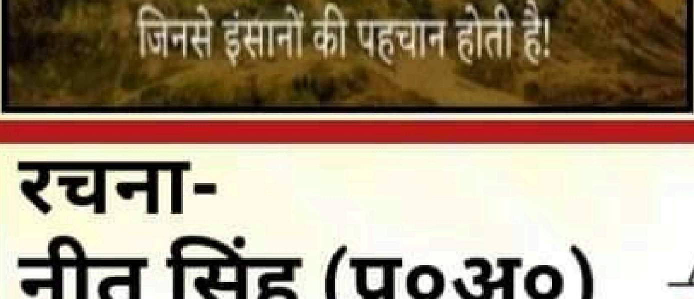

मधुर वाणी

गुस्से से रिश्ते हैं बिगड़ते,
अपना तन और मन भी खराब।
वाद-विवाद में खोएँ न आपा,
शान्ति से दें सबके जबाब।।

कार्य न होते जो धन-बल से,
मधुर वाणी से पूर्ण हो जाते।
मीठा बोलें सोच-समझकर,
हम सबके प्रिय बन जाते।।

रचना-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा० वि० समोखर
निधौलीकलां, एटा

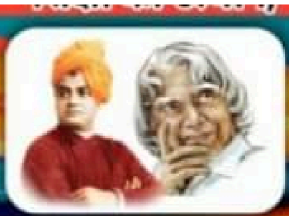

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-15/03/2022 **4188** दिन-मंगलवार

मैं नारी हूँ

एक दिन नहीं चाहिए मुझे,
हर दिन मेरा होना चाहिए।
मेरी उड़ानों का भी कोई,
आसमान होना चाहिए।।

क्यूँ आसुओं से है,
पहचान मेरे नाम की।
मेरी मुस्कानों का भी,
सम्मान होना चाहिए।।

अब बहुत हो चुकी,
मेरे बलिदान की कहानी।
मेरी ख्वाहिशों को भी,
अन्जाम मिलना चाहिए।।

अपने इस सफर पर ,
अकेली निकल पड़ी हूँ।
अबला नहीं हूँ मैं,
न एहसान मुझको चाहिए।।

रचना

पूजा पाण्डेय (स०अ०)
उच्च प्राथमिक टिकुरिया
कर्मा, सोनभद्र।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-15/03/2022 **4189** दिन- मंगलवार

जीवन की सीख "विलोम" शब्दों के साथ

आम से 'मीठे' बनो, नीम से 'कड़वे' नहीं,
हृदय से 'विशाल' बनो, 'क्षुद्र' सोच वाले नहीं।
फैलाओ जग में 'उजाला', 'अँधेरे' से डरो नहीं,
बनो सदा 'मित्र'तुम,'शत्रु' किसी का बनो नहीं।।

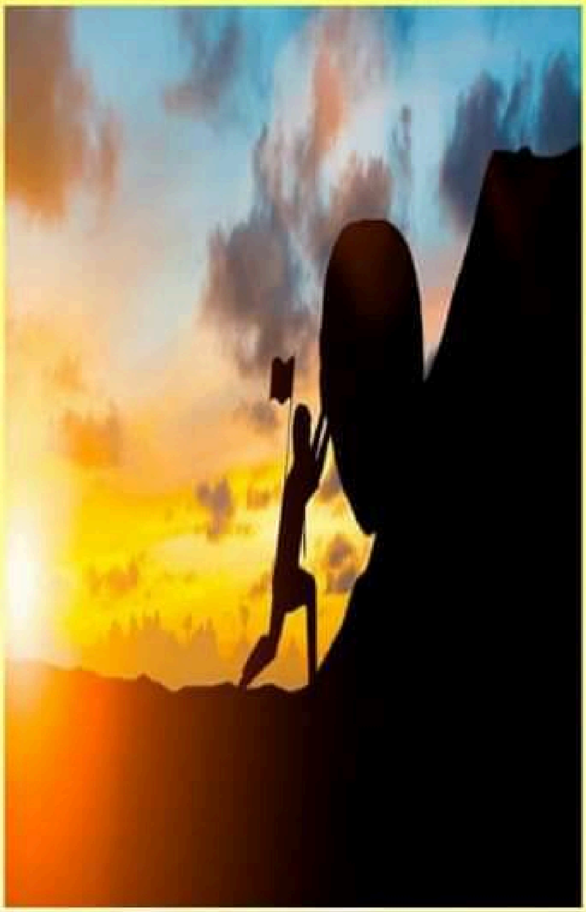

जीवन में 'सुख' है, तो कभी 'दु:ख' है,
कभी मिले 'सफलता', तो कभी 'विफलता' है।
कभी मिले 'जीत', तो कभी कंटकों का 'हार' है,
कभी मिले 'प्रशंसा', तो कभी मिले 'दुत्कार' है।।

साथ रखो 'आशा', कभी ना हो 'निराश' तुम,
चाहे राह में 'फूल' हों, या 'कंटको' के साथ तुम।
सीखो सदा आगे 'बढ़ना', न कभी 'रुकना',
चाहे सफर 'आसान' हो या हो 'कठिन' तुम्हारा।।

फैलाओ 'प्रेम' को सदा, 'नफरत' से दूर रहो सदा,
साथ दो 'सत्य' का, 'झूठ' से बचो सदा।
हो चाहे 'अनेक' पर, 'एक'जुट होकर रहो सदा,
'अहिंसा 'के पुजारी बनो 'हिंसा' को त्यागो सदा।।

रचना

डॉ.भावना जैन (स.अ)
प्राथमिक विद्यालय निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

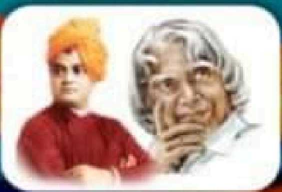

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 15-03-2022 **4190** दिन- मंगलवार

होली की उमंग

शीत ऋतु की ठण्डक बीती,
आये हैं ऋतुराज ।
मन मयूर तो नाच रहा है,
खेलेंगे हम फाग।।

मंजरियों से झूम रहे हैं,
सारे वन व बाग।
सरसों, गेहूँ पक गये,
जाग गये हैं भाग।।

गुझिया बोली खस्ता से,
आओ ऐ हमजोली!
झूम-झूमकर नाचें हम सब,
बना कर एक टोली।।

भूल जाएँ सब भेद-विभेद,
रह जाए मन में चैन।
रंग, अबीर-गुलाल लगाओ,
बोलो मीठे बैन।।

रचना
सरिता तिवारी (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय कन्दैला
मसौधा, अयोध्या

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15/03/2022 **4191** दिन- मंगलवार

मनचला मौसम

क्या मौसम है आया?
असमंजस साथ में लाया।
कभी ठण्ड है तड़पाती,
कभी गर्मी पसीना लाती।।

समझ ना आता है मुझको,
सर्दी कहूँ या गर्मी तुझको?
पंखे चले तो लगे फुरफुरी,
बन्द करूँ तो मचे चिरमिरी।।

मजे ले रहे हो क्या हमसे?
कैसे करूँ समझौता तुमसे?
सदा एक से ना रहते हो,
पल-पल बदलते रहते हो।।

तुम कोई इंसान जो होते,
पीड़ा हमारी तुम समझ पाते।
शरारत तुम्हारी मैं हूँ समझता,
होते इंसान तो मैं लड़ता।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
प्रतिमा पोद्दार (स०अ०)
प्रा०वि० मनोहरपुर कायस्थ
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

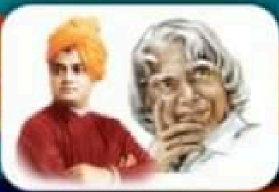

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 15/03/2022 **4192** दिन- मंगलवार

फूलदेई

बदला वर्ष हिन्दू सौर गणना से,
गते एक चैत्र का है आया।
घर-घर देहरी पूजन लागे बाल दल,
त्योहार फूलदेई अति मन भाया।।

फूले पुष्प विविध वृक्षों पर,
कलियों ने हरित रंग जमाया।
नव दृष्टि चहुँ उल्लास नव,
प्रकृति औ प्राणी ने पाया।।

मस्त बयार मद फाग उड़े,
रंग होली बासन्ती है आया।
गाओ राग बहार मगन होकर,
पिया परदेशी घर है आया।।

रचना-:
दीवान सिंह कठायत (प्र०अ०)
रा० आ० प्रा० वि० उडियारी,
बेरीनाग, पिथौरागढ़

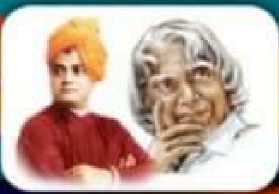

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15-03-2022

4193

दिन- मंगलवार

अपने गाँव

चलो चलें सब अपने गाँव,
बरगद पीपल नीमी छाँव।
पेड़ बहुत से मिल जाएँगे,
जामुन-बेर खूब खाएँगे॥

छप्पर, खप्पर, धन्नीदार,
बैठक में होगा दरबार।
तोता, मैना, तीतर, मोर,
मिल जाएँगे चारों ओर॥

चना-मटर के खेत निराले,
झूमें सब होकर मतवाले।
पालक, बथुआ, चना का साग,
खाकर बढ़े प्रेम, अनुराग॥

कुरिया, छप्पर हो या छानी,
टपक रहा बारिश का पानी।
लेकर साथी सभी पुराने,
सुबह चलेंगे ताल नहाने॥

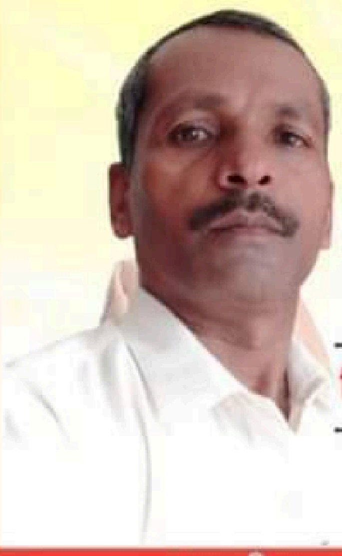

रचना
रामचन्द्र सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० जगजीवनपुर-2
ऐरायां, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

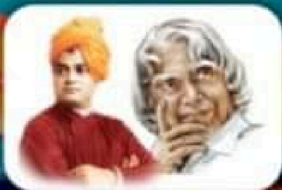

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 16-03-2022 **4194** दिन- बुधवार

होली

ऐसी होली चलो मनायें बस प्रेम का रंग लगायें,
रीत नयी जग को सिखलायें बस प्रेम का रंग लगायें।

रंग रहे कोई मनभावन लाल, हरा चाहे गुलाबी,
घोलो उसको प्रेम नीर में नहीं इसमें कोई खराबी।
कच्चे रंग हैं देखो झूठें तन पे रहे बस कल परसों,
प्रेम का रंग है बस इक साचा मन से जो उतरे न वर्षों।

द्वेष धुलें मन के सारे नेह फुहार में सभी नहायें,
ऐसी होली चलो मनायें बस प्रेम का रंग लगायें।।

मानवता की बात रहे बस दिल में ये जज़्बात पले,
मैं-तुम से ऊपर उठकर हम ले हाथों में हाथ चलें।
ऊँच-नीच का भेद नहीं हो जाति-धर्म विभेद नहीं हो,
सौहार्द की लाली हो चहुँदिश कटुता और खेद नहीं हो,

नफरत की दीवार तोड़कर दुश्मन को गले लगायें
ऐसी होली चलो मनायें बस प्रेम का रंग लगायें।।

रचना - सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
चोपन, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

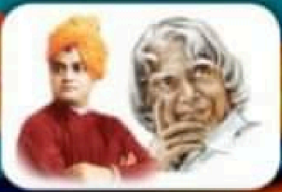

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 16/03/2022 **4195** दिन- बुधवार

होली आयी

रंग-बिरंगी होली आयी,
अबीर गुलाल उड़े है भाई।
हुड़दंगो की टोली आयी,
पिचकारी रंगों की बरसाई।।

रंग-बिरंगे चेहरे खिले हैं,
गुलाल लगायें सब गले मिले हैं।
ढोल, नगाड़े, ताशे बजे हैं,
सब नाचे- गाये बड़े मजे हैं।।

बैर-भाव को सब हैं भूले,
होली है, होली है सब बोलें ।
प्रेम, मस्ती, ठिठोली करते डोलें,
मन में सबके मिश्री सी घोलें।।

सभी रंगों का रास है होली,
मन का अजब उल्लास है होली।
जीवन में खुशियाँ भर देती,
बस इसलिए खास है होली।।

रचना- प्रेमचन्द (प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० सिसौला खुर्द
जानी, मेरठ

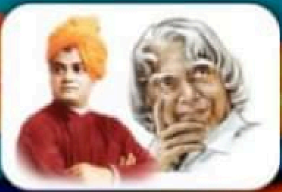

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 16/03/2022 **4196** दिन- बुधवार

रंगों की होली

आयी फिर रंगो की होली,
झूम चली मस्तों की टोली।
रंग-गुलाल लगाकर सबके,
करते सारे हँसी-ठिठोली।।

पकवानों की खुशबू आयी,
ठण्डाई की मस्ती छायी।
सब के काले-नीले चेहरे,
होली आयी-होली आयी।।

रंग और गुलाल लेकर,
सबके चेहरे पर हैं लगाते।
सबकी भूलें माफ करके,
होली पर सब गले लगाते।।

बड़ा अनोखा फाग मास का,
होता यह होली त्यौहार।
सारे दुख-कष्टों को भूल
छाती है खुशियों की बहार।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

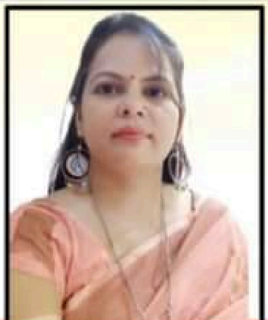

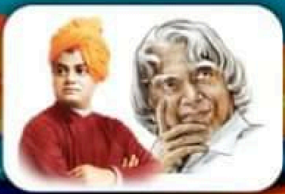

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 16.03.2022 **4197** दिन- बुधवार

आये इम्तिहान

देखो बच्चों आये इम्तिहान,
खूब पढ़ो, मत बनो शैतान।

टीचर कहती तुम खूब पढ़ो,
कोशिश करने से नहीं डरो।
पढ़ो पहाड़े, शब्दों को जोड़ो,
भय, संशय से नाता तोड़ो।।

मारपीट और झगड़ा छोड़ो,
परिश्रम से तुम मुँह ना मोड़ो।
मुस्काते सुमन हैं लगते प्यारे,
डाली से तुम कभी ना तोड़ो।।

भूल जाओ अब रोना-धोना,
बीज खुशी के तुमको बोना।
अच्छी-अच्छी आदत सीखो,
जल्दी उठना, जल्दी सोना।।

ढूँढो पेंसिल, उठाओ किताब,
हाथों को नित रखना साफ,
न बोलो तुम कभी भी झूठ,
माता-पिता से कभी ना रूठ।।

देखो-देखो टीचर मुस्काती,
प्यारे गीत, कहानी सुनाती।
ध्यान से सुनना बातें सारी,
नैतिकता वो तुम्हें सिखाती।।

रचना
पूनम नैन (स०अ०)
उ० प्रा० वि० मुकन्दपुर
छपरौली, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

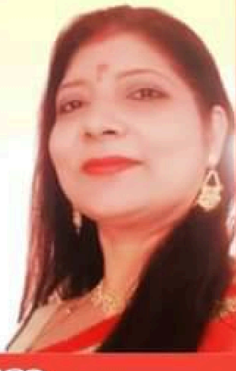

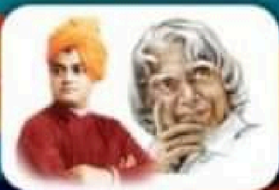

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 16/03/2022 4198 दिन- बुधवार

रंग- बिरंगी होली

होली आयी रंग-बिरंगी होली,
बच्चों की मनभावन होली।
बुरा न मानें मन में कोई,
प्रेम भाव से ये खेलें होली।।

अपनी-अपनी टोली लेकर,
निकल पड़े सब खेलने होली।
लिए अबीर- गुलाल हाथ में,
खेले हर कोई रंगों की होली।।

मासूम चेहरे मुस्कान निराली,
इन से ही तो है प्यार की होली।
सब रंगों में भीगे नटखट बच्चे,
सिखाते हमें समभाव की होली।।

आओ हम सब भी मिल लें होली,
भूलाकर घृणा-ईर्ष्या के रंगों को।
मन में रखें भावना बच्चों-सी,
राग-द्वेष से परे होकर खेलें होली।।

रचना-
प्रियंका सक्सेना (स०अ०)
प्रा०वि०बैरमई खुर्द, अम्बियापुर
बिल्सी, बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 16/03/2022 **4199** दिन- बुधवार

आयी देखो होली रे....

तर्ज- होलिया में उड़े रे गुलाल....

सज गए रंगों के थाल, आयी देखो होली रे।

फागुन मास से मनायी जाए,
तिथि पूर्णिमा शुभ दिन लाए।
खुशियाँ पूछ रही हाल,
आयी देखो होली रे।।
सज गए रंगों के थाल, आयी देखो होली रे।

नीला, पीला, हरा, गुलाबी,
है गुलालों की शान नवाबी।
जचता है देखो रंग लाल,
आयी देखो होली रे।।
सज गए रंगों के थाल, आयी देखो होली रे।

भर पिचकारी धार लगाएँ,
पकवानों से घर है सजाएँ।
बज रही ढोलक-नाल,
आयी देखो होली रे।।
सज गए रंगों के थाल, आयी देखो होली रे।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना- ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

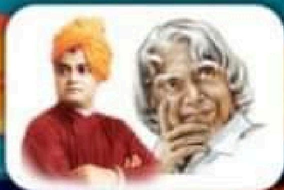

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 16.03.2022 **4200** दिन- बुधवार

लोकपर्व फूलदेई

ऐगे चैत यू बन्सती बहार लीक,
फूलों मा फुलार लीक।
फ्यूँली बुराँश खिलिगे बणों मा,
ग्वाळा-बाळा खुश म्यारा पहाड़ मा।।

फूल संक्रान्ति धै लगान्दी,
डेळि-डेळ्यूँ मा फूल सजान्दी।
ताँबे की तौली पितले की परात,
फुलारी छोरों खुलीगे रात।।

हाथो मा फूलों की टोकरी लीक,
डेळि-डेळ्यूँ मा फूल डाळिक।
ऐगे यू त्योहार फूलों कू ऐगे,
त्योहार फूल संक्रान्ति फूलदेई कू ऐगे।।

रचना-
दमयन्ती राणा (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० ईड़ाबधाणी
ब्लॉक- कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

साभार

राजकुमार शर्मा
नवीन पोरवाल
नैमिष शर्मा
जितेन्द्र कुमार